वैशाख, शुक्ल पक्ष 3, वर्ष-10, अंक 109, पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये
प्रयागराज, शनिवार 13 जुलाई, 2024
TM
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित
Adhunik Samachar
नगर संस्करण
10 वर्ष विश्वास के

आई.टी.आई में सीधे प्रवेश

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

कौशलं बलम्
NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE NAINI ALLAHABAD

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन भारत सरकार द्वार मान्यता प्राप्त नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद प्रवेश कार्यालय का सिविल डिफेंस प्रयागराज के मंडल अधिकारी रौनक गुप्ता के द्वार किया गया प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने बताया कि प्रयागराज में न्यूनतम शुल्क मुझे प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। यहां इंडस्ट्रियल विजिट सेमिनार, ग्रुप डिस्कशन, आदि कराया जाता है जिसे प्रशिक्षणार्थियो का सर्वांगिन विकास होता है. केंद गुणवत्ता परिषद द्वारा स्टार ग्रेडिंग प्राप्त है. केंद्र के कंप्यूटर शिक्षक रोहित शुक्ल ने बताया कि सरकार द्वार छात्रवृत्ति एवं टैबलेट की सुविधा उपलब्ध है प्रशिक्षणार्थियो को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है प्रशिक्षणार्थियो को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है. मुख्य अतिथि ने नवीन प्रवेशार्थियो का स्वागत एवं उज्जवल भविष्य की कामना की अंतरराष्ट्रीय स्तर का है प्रयागराज नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण के द्र-रौनक गुप्ता.इस अवसर पर निरीक्षक विजय पांडे, रोहित शुक्ला, सचिन श्रीवास्तव, मोहम्मद कौसर, प्रदीप जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहें।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र.के छात्र रेलवे में चयनित

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के चार छात्रों का सिकंदराबाद में रेलवे में चयनित होने पर संस्थान परिवार ने बधाई दी है। प्रयागराज करछना तहसील के नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद के चार छात्रों का रेलवे के धारा रेल प्रोजेक्ट सिकंदराबाद में चयन होने से विद्यालय प्रबंधतंत्र द्वारा छात्र का सम्मान एवं अभिनन्दन किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने इन छात्रों का समारोहपूर्वक अभिनंदन एवं सम्मान करते हुये कहा कि यह विद्यालय के लिये गौरव की बात है।संस्थान के शिक्षक सदैव इस बात पर बल देते हैं कि छात्र अच्छा सीखें और अपने भविष्य को उज्ज्वल एवं सफल बनावें। उन्होंने भविष्य में और मेहनत व लगन से अध्यापन व अध्ययन करने हेतु शिक्षकों और छात्रों का आह्वान किया। इस अवसर पर केक काटकर केंद्र का स्थापना दिवस भी मनाया गया।

Admission Open 2024-25

श्री सत्यदेव दुबे (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भदोही

श्री सुजीत श्रीवास्तव (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नैनी, प्रयागराज

इं. अर्चना सरोज (ट्रेनिंग एवं पलेसमेन्ट, अधिकारी
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, खागा, फतेहपुर

- ★ C.O.P.A.
- ★ Fitter
- ★ Computer Teacher Training
- ★ Electrician
- ★ Fire Safety & Industrial Security
- ★ Repair of Refrigerator & A.C.
- ★ Welding Technology
- ★ Certificate in YOGA
- ★ Security Service
- ★ Computer Hardware& Maintenance

Naini ITC Honored by U.P. State Industrial Association

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: A seminar was organized by Uttar Pradesh State Industrial Association on Friday. In which Naini Industrial Training Center was honored with a citation by the association's president Arvind Rai for providing high quality skilled workers. Mohammad Kausar received the honor from the Centre. On this occasion, all the entrepreneurs of Prayagraj including Arinnd Rai Sheetal Plastics, Anat Chandra Ventura Private Limited, BLKHN Engineering Works, S Shukla, Overseas Food Agro Private Limited, union officials and all the industrialists were present.

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

प्रदेश आस/पास

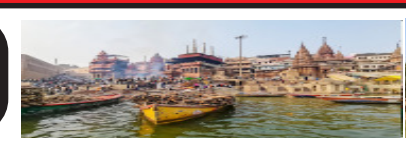

बलिदानी ओमप्रकाश चौबे की स्मृति में पौध रोपड़

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के जीवन ब्रती प्रचारक रहे सुकृत गांव के निवासी ओमप्रकाश चौबे की स्मृति में शुक्रवार को पौध रोपण किया गया । भारतीय किसान संघ के प्रान्त संगठन मंत्री संघ प्रचारक प्रभाकर के मार्गदर्शन में बीजेपी नेता दयाशंकर पाण्डेय ,अखिल भारतीय भगवान श्री परशुराम अखाड़ा परिषद के पंडित आलोक चतुर्वेदी , हंस वाहिनी इंटर कालेज कसया के प्रबंधक राजेश मिश्र और संघ पूर्व प्रचारक भोलानाथ मिश्र ने बभनौली गांव स्थित कैलाश कुटीर के प्रांगण में आम्र पाली पौध का रोपण किया । ज्ञात हो संघ प्रचारक ओमप्रकाश चौबे असम में संघ कार्य करने गए थे । वहां उल्फा उग्रवादियों ने उन्हें गोलियों से छलनी कर दिया था । उल्फा को इस बात से गुरेज था कि संघ प्रचारक ओमप्रकाश चौबे प्रखर

राष्ट्रवाद की अलख जगा रहे थे ।वे नारा दे रहे थे , ' असम हो या हो गोहाटी , अपना देश अपनी माटी '।इसी सोनभद्र के माटी के लाल की याद में आज पौध रोपड़ किया गया । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व प्रचारको के स्मृति में अखिल भारतीय भगवान श्री परशुराम अखाड़ा परिषद पुरे जनपद में पौध रोपण कार्यक्रम चला रहा है। मातृ मंदिर का समर्पित दीप मैं चाह यह मेरी की मैं जलता रहुँ.ऐसी भावना से प्रेरित होकर सुकृत के एक साधारण परिवार का बालक संघ का जीवन ब्रती प्रचारक बना तहसील से जिला फिर जिले से असम की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई. जहां उन्हें असम के कोकराझार जिले में प्रचारक के रूप में तैनाती दी गयी थी. इनके द्वारा पूर्ण समर्पित रूप से किया जा रहा है कार्य उल्फा उग्रवादियों को पसंद नहीं आया और इस सोनभद्र के लाल को इतनी निर्मम तरीके से मारा गया कि शरीर का कोई भी टुकड़ा 1 किलो से ऊपर का नहीं बचा था।

255 पेज के शिकायत पत्र में आदेशों की भी लगाई गई है प्रति

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। बलवान सिंह की ओर से 255 पेज का शिकायती पत्र दिया गया है। इसमें रेवेन्यू केसेज कंप्यूटराइज्ड सिस्टम पोर्टल पर अपलोड सभी 61 आदेशों की प्रति भी लगाई गई है। इस आधार पर मंडलायुक्त की ओर से जांच कराके पिछले महीने रिपोर्ट भेजी गई थी। इन्हीं आधारों पर अमर मुख्य सचिव राजव पी.गुरु प्रसाद ने डीएम की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की है। इसके अलावा आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद की अनुमति पर उत्तर प्रदेश उप भूमि व्यवस्था आयुक्त भीष्मलाल वर्मा की भी ओर से भी जांच का आदेश दिया गया है। मंगाए गए सभी दस्तावेज डीएम की अध्यक्षता में गठित समिति ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। तहसील से सभी आदेशों की मूल कॉपी मंगाई गई है। निबंधन कार्यालय से सभी संबंधित भूखंडों की रजिस्ट्री की मूल प्रति मंगाई गई है। इसके अलावा कलक्ट्रेट एवं तहसील में रखे गए भूखंड से संबंधित पुराने दस्तावेज भी मंगा लिए गए हैं। ताकि, यह देखा जा सके कि यह ग्राम समाज की ही जमीन है। पूरे मामले में उस दौरान तैनात एसडीएम, अफसरों और कर्मचारियों से भी पूछताछ की जाएगी।

थाना जुगैल पुलिस द्वारा हत्या से सम्बन्धित प्रकरण में वांछित एक नफर अभियुक्त व एक नफर अभियुक्ता को किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन में जनपद में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी ओबरा के नेतृत्व में दिनांक-11.03.2024 को समय लगभग 16.00 थाना जुगैल पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-62/2024 धारा 103(1), 238, 61(2) बीएनएस में वांछित चल रहे अभियुक्त ईश्वर प्रसाद खरवार पुत्र बुल्लू खरवार निवासी ग्राम जुगैल टोला पचपेडिया थाना जुगैल जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 22 वर्ष तथा आज दिनांक 12.07.2024 को अभियुक्ता सरस्वती पतनै ईश्वर प्रसाद खरवार निवासिनी ग्राम जुगैल टोला पचपेडिया थाना जुगैल जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 22 वर्ष को समय सुबह 5.40 बजे गिफ्तार कर उपरोक्त दोनो अभियुक्तगण को माननीय न्यायालय भेजा गया । अभियुक्त ईश्वर प्रसाद खरवार उपरोक्त के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त आलाकत्तु 01 अदद कुल्हाड़ी बरामद किया गया।

थाना चोपन पुलिस को मिली बड़ी सफलता, पुलिस ने बिना परमिट के अवैध खनिज का परिवहन कर रहे वाहन को किया गया जब्त

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण तथा कुशल नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों व अवैध खनिज के परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत थाना चोपन पर पंजीकृत मु0अ0सं0 133/24 धारा- 303(2),317(2) बीएनएस व 4/21 खान एवं खनिज (विकास का विनियमन) अधि0 1957 व 03 लोक सम्पत्ति क्षति निवारण अधिनियम में वांछित अभियुक्त वाहन चालक मुज्जाहीद हुसैन पुत्र इसहाक अली निवासी सोनवार थाना चकरघट्टा जनपद चन्दौली उम्र करीब 36 वर्ष को आज दिनांक 12.07.2024 को समय करीब 05.50 बजे चोपन से गिरफ्तार कर अभियुक्त को माननीय न्यायालय भेजा गया ।

बेटियों की पूरी पढ़ाई देश की भलाई के लिए चलाया जा रहा शिक्षा अभियान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । चाइल्ड राइट्स एण्ड यू क्राई ठ की सहयोगी परियोजना सोनभद्र विकास समिति के द्वारा विभिनन ब्लॉकों के गांवों में समुदाय को बेटियों को 12 वी कक्षा तक की शिक्षा अनिवार्य रूप से दिलाने हेतु हस्ताक्षर अभियान संकल्प और स्कूल चलो रैली का आयोजन किया गया। 04 जुलाई से सुभारम्भ कलेक्ट्रेट से अपर जिलाधिकारी द्वारा हस्ताक्षर अभियान से शुरुआत किया गया इसके बाद बाल संरक्षण इकाई, समाज कल्याण विभाग, वन स्टाफ सेंटर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, सदर विधायक के अतिरिक्त ग्राम पंचायत अमौली, रैपुरा, जुडौली और तमाम ग्राम पंचायत अधिकारी के अलावा 10 गांव के ग्रामीणों ने हस्ताक्षर अभियान में सम्मिलित होकर बालिकाओं के शिक्षा के प्रति समर्थन दिया साथ ही विभाग द्वारा बालिकाओं के हित से जुड़ी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का संकल्प भी लिया। सचिव राजेश चौबे जी ने कहा कि क्राई द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा अभियान संचालित किया जा रहा है जिसका उद्देश्य है कि शहरी मलिन बस्तियों और ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं को भी अभिभावक पूरी शिक्षा दिलवाने के प्रति संकल्पित हों और समुदाय/समाज के दृष्टिकोण में व्यापक बदलाव आ सके बालक - बालिकाओं में जेंडर भेद को समाप्त करना और शिक्षा के महत्त्व को समझना जरूरी है बालिकाओं के शिक्षित होने से महिला सशक्तिकरण की दिशा में क्रांतिकारी बदलाव हो सके । कार्यक्रम के समन्वयक नागेश्वर सिंह ने बताया कि सभी प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों से भी मिलकर शत प्रतिशत नामांकन को सुनिश्चित किया जा रहा है इस अभियान में रेखा गोंड, रीमा, रीना शर्मा सहित तमाम हितधारक सहयोग दे रहे हैं।

कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नन्दी का मना पुर्नजन्मप्राप्त महोत्सव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । उत्तर प्रदेश सरकार मे लोकप्रिय कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता ठनन्दीठ का पुर्नजन्मप्राप्त महोत्सव 12 जुलाई दिन शुक्रवार के दिन चुर्क स्थित पंचमुखी महादेव मंदिर मे वैश्य समाज के जिलाध्यक्ष करके घर लौट रहे थे। दिल्ली के डॉक्टरों की कड़ी मशक्कत के बाद उनकी जान बच सकी थी। सात माह सात दिन बाद अस्पताल मे गंभीर अवस्था मे भर्ती रहने के बाद जीवन से संघर्ष कर अपने घर लौटे थे, नंदी जी ने पूरी तरह स्वस्थ

बीएन गुप्ता के नेतृत्व मे सर्व वैश्य समाज के पदाधिकारी एंव संभ्रांत लोगो बढ चढ़कर भाग लिया पंचमुखी महादेव मंदिर मे सर्वप्रथम रूद्राभिषेक, पुजा अर्चना, आरती बाद प्रसाद वितरण कर मनाया गया। श्री गुप्ता ने बताया की 12 जुलाई 2010 को तत्कालीन बसपा सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' पर दिन के करीब 11बजे तब रिमोट बम से जानलेवा हमला हुआ था जब वे मनोकामना सिद्ध प्राचीन शिव मंदिर में दर्शन होने के बाद 2012 से 12 जुलाई को अपना पुर्नजन्मप्राप्त दिवस शुरू किए धीरे-धीरे इसे महोत्सव के रूप में आयोजित किया जाने लगा। इस अवसर पर मुख्य रूप से डब्लू गुप्ता, रामसरन गुप्ता, ओमप्रकाश गुप्ता,श्रवण कुमार गुप्ता, खेमचन्द्र गुप्ता,बैजनाथ मध्देशिया, सरोज गुप्ता,हिरावती देवी, एड0नारद गुप्ता,विनोद गुप्ता, सुभाष चन्द्र गुप्ता, विनोद गुप्ता, दिनेश मध्देशिया, रीना देवी, आदि सैकड़ो वैश्य समाज एव व्यापारीगण मौजूद रहे।

हिंदुस्तानी एकेडमी के गुरु गोरक्षनाथ सम्मान समेत 12 पुरस्कारों पर रोक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। वर्ष 2022 के पुरस्कारों की घोषणा ही रोक दी गई है। पता चला है कि तीन राष्ट्रीय और नौ राज्य स्तरीय पुरस्कारों के लिए जिन नामों की अनुशंसा कार्य समिति ने की थी, उनकी योग्यता और दावे के संबंध में साक्ष्य भी मांगे गए हैं। हिंदी साहित्य में संत परंपरा के अवदान समेत कविता-कथा लेखन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान पर हिंदुस्तानी एकेडमी की ओर से दिए जाने वाले राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय पुरस्कारों पर रोक लगा दी गई है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने भाषा विभाग को पत्रावली वापस कर दी है। इसमें वर्ष 2022 के तीन राष्ट्रीय और नौ राज्य स्तरीय समेत कुल 12 पुरस्कार शामिल है। पांच लाख रुपये के गुरु गोरक्षनाथ शिखर सम्मान को लेकर आपत्ति लगने की बात कही जा रही है। हिंदी व उसकी सहयोगी भाषाओं को समृद्ध और लोकप्रिय बनाने में एक जमाने में हिंदुस्तानी एकेडमी के योगदान को भले ही अविस्मरणीय माना जाता रहा हो, लेकिन अब स्थितियां बदल गई है। उदासीनता की हद यहां तक है कि एकेडमी की ओर से 2018 से 2021 तक घोषित पुरस्कारों की धनराशि दो दे दी गई है, लेकिन सम्मान पत्र अभी तक वितरित नहीं किए जा सके हैं।वर्ष 2022 के पुरस्कारों की घोषणा ही रोक दी गई है। पता चला है कि तीन राष्ट्रीय और नौ राज्य स्तरीय पुरस्कारों के लिए जिन नामों की अनुशंसा कार्य समिति

DURGAWATI INTERNATIONAL SCHOOL & COLLEGE
URGENT REQUIREMENT
TRAINED & EXPERIENCED TEACHERS
FOR CLASSES VI to XII
SUBJECTS - ENGLISH, MATHS, S.ST, SCIENCE & COMPUTER
RESIDENCE FACILITY ALSO AVAILABLE FOR TEACHERS
Walk in Interview on 23-06-2024
Interested Candidates can send their Resume on the given contacts
Candidate should hold fluent English Communication Skill along with the qualified degrees
For more details Contact on: 7505561664, 9415017879

आधुनिक गेस्ट हाउस
• वाटर प्रूफ शेड
• पार्किंग की सुविधा
• मन्दिर की सुविधा
• सी.सी.टीवी.
• छोटे-बड़े कार्यक्रमों के अलग-अलग रेट
• 45000 sq. feet. एरिया
• हरे-भरे वातावरण
• AC कमरा (VIP)

CALL: 9519313894,9415608783, 9415608710
आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईडीसी, रेमण्ड रोड, औधोगिक थाने के पीछे भारत पेट्रोलियम के पहले, औधोगिक क्षेत्र, नैनी, प्रयागराज

SkyZen
INVEST IN INDIA'S FIRST SMART CITY DHOLERA SIR
INVESTMENT START FROM 7,00,000/- Lac
GREAT CHANCE TO BOOK YOUR PLOT
96 67 77 89 47 T&C APPLY
dholera A NEW ERA
Great Investment Opportunity in India's First Smart City DHOLERA SIR
Don't Think About it's Current Value
Think About it's Future Value
: OPTIONS :
Premium Plots
LAND
Residential
Industrial
Commercial
96 67 77 89 47
Most Reliable Developer in Dholera SIR
Investment Start From 7 Lac

विविध

भारत

संक्षिप्त समाचार

ओम बिरला ने ब्रिक्स संसदीय मंच की बैठक में इन देशों का किया स्वागत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को संयुक्त

राष्ट्र सुरक्षा परिषद और विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) जैसी वैश्विक संरचनाओं के व्यापक लोकतंत्रीकरण की जोरदार वकालत की। रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में 10वें ब्रिक्स संसदीय फोरम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत उभरते बाजारों और विकासशील देशों को एकजुट करने के लिए प्रतिबद्ध है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को कहा कि प्रमुख विकासशील देशों का संगठन 'ब्रिक्स' वैश्विक शासन व्यवस्था को और अधिक लोकतांत्रिक बनाने तथा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद एवं विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। बिरला ने ब्रिक्स संसदीय मंच में चार नए सदस्यों मिस्त्र इथियोपिया ईरान सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात का स्वागत किया। साथ ही आपसी सम्मान, समझ, समानता, एकजुटता, समावेशिता और सर्वसम्मति के सिद्धांतों के प्रति अपने समर्पण की पुष्टि की। वे ब्रिक्स संसदीय आयामः अंतर-संसदीय सहयोग को मजबूत करने की संभावनाएं विषय पर पहले पूर्ण सत्र को संबोधित कर रहे थे। बिरला ने ब्रिक्स संसदीय मंच में चार नए सदस्यों मिस्त्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात का भी स्वागत किया। उन्होंने ब्रिक्स सदस्यों और अन्य बहुपक्षीय मंचों के बीच सहयोग बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया और वसुधैव कुटुंबकम के भारतीय दर्शन का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि सांसद विकास और सतत विकास के एजेंडे को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और इस बात पर जोर दिया कि ब्रिक्स संसदीय फोरम इस संदर्भ में महत्वपूर्ण था। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संसदीय संघ की अध्यक्ष तुलिया एकसन से भी मुलाकात की।

चीन को भुगतना पड़ेगा इसका परिणाम रूस के साथ बढ़ते रिश्तों को लेकर ड्रैगन पर आगबबूला हुआ अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस की मदद करने के लिए चीन को परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। बाइडन ने कहा कि मुद्दा यह है कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि शी जिनपिंग यह समझें कि रूस का साथ देने के लिए कीमत चुकानी होगी। यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस की मदद करने के लिए अमेरिका ने चीन पर निशाना साधा है। अमेरिका ने कहा कि अगर ऐसा ही रहा तो चीन को परिणाम भुगतने होंगे। बाइडन ने कहा कि मुद्दा यह है कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि शी जिनपिंग यह समझें कि रूस का साथ देने के लिए कीमत चुकानी होगी। बाइडन ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि जल्द ही हमारे कुछ यूरोपीय मित्र चीन में अपने निवेश को कम करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक चीन, रूस को मदद करता रहेगा तब तक उसे इसके परिणाम भुगतने होंगे। बाइडन ने यह भी कहा कि हमें पश्चिम में एक नई औद्योगिक नीति की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ और नाटो दोनों को अपनी स्वयं की गोला-बारूद क्षमता का निर्माण शुरू करने में सक्षम होना चाहिए।

आरएसएस मानहानि मामले में राहुल गांधी को राहत, बॉम्बे हाईकोर्ट ने भिवंडी कोर्ट के आदेश को किया रद्द

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मुंबई। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को बॉम्बे हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने भिवंडी

कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक कार्यकर्ता द्वारा राहुल गांधी के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि मामले में सबूत के तौर पर कुछ अतिरिक्त दस्तावेजों को अनुमति दी गई थी।बॉम्बे हाईकोर्ट ने भिवंडी कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ंएए) के एक कार्यकर्ता द्वारा राहुल गांधी के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि मामले में सबूत के तौर पर कुछ अतिरिक्त दस्तावेजों को अनुमति दी गई थी। न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चव्हाण ने राहुल की याचिका पर यह आदेश पारित किया है। न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चव्हाण ने राहुल की याचिका पर यह आदेश पारित किया। याचिका में आरोप लगाया गया था कि ट्रायल कोर्ट ने आरएसएस पदाधिकारी राजेश कुंटे को तय समय के बाद भी कुछ दस्तावेज पेश करने की अनुमति दी थी। बीते तीन जून को ठाणे स्थित भिवंडी मजिस्ट्रेट अदालत ने आरएसएस कार्यकर्ता द्वारा प्रस्तुत कुछ दस्तावेजों को रिकॉर्ड में लिया था। मजिस्ट्रेट अदालत ने कथित मानहानिकारक भाषण की प्रतिलिपि को साक्ष्य के रूप में स्वीकार कर लिया था, जिसके आधार पर मानहानि का मामला दायर किया गया था। गांधी ने इसे उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। याचिका में कहा गया था कि मजिस्ट्रेट का आदेश, कुंटे द्वारा दायर एक अन्य याचिका में उच्च न्यायालय के एकल न्यायाधीश के आदेश का उल्लंघन है।बता दें कि 2021 में एकल न्यायाधीश न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे ने कुंटे द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें मांग की गई थी कि राहुल गांधी कथित अपमानजनक भाषण को या तो स्वीकार करें या अस्वीकार करे न्यायमूर्ति डेरे ने तर्क दिया था कि किसी आरोपी व्यक्ति को उक्त याचिका के अनुलगन्कों को स्वीकार करने या अस्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है। गांधी ने वर्तमान याचिका में दावा किया है कि उच्च न्यायालय के 2021 के आदेश के बावजूद, मजिस्ट्रेट ने उन्हीं दस्तावेजों को रिकॉर्ड में ले लिया।

पीएम मोदी के रूस दौरे पर खुलकर सामने आई अमेरिका की नाराजगी, कह दी बड़ी बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस हफ्ते की शुरुआत में हुई दो दिवसीय रूस यात्रा को लेकर अमेरिका की नाराजगी साफ तौर

पर सामने आ गई है। एक तरफ जहां जो बाइडन प्रशासन के एक उच्चाधिकारी की तरफ से भारतीय विदेश मंत्रालय को फोन करके अपनी नाराजगी जताने की सूचना सामने आ रही है, वहीं नई दिल्ली में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने यहां एक सार्वजनिक कार्यक्रम में परोक्ष तौर पर मोदी की रूस यात्रा को लेकर काफी तल्खी भरी बातें कहीं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस हफ्ते की शुरुआत में हुई दो दिवसीय रूस यात्रा को लेकर अमेरिका की नाराजगी साफ तौर पर सामने आ गई है। नई दिल्ली में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने रूस से हथियार खरीदने की भारतीय रणनीति पर सवाल उठाया है और साफ तौर पर कहा कि भारत को रक्षा साझीदार के तौर पर अमेरिका व रूस में से किसी एक का चयन करना होगा। गार्सेटी ने यहां तक कहा, 'मैं भारत की रणनीतिक स्वायत्तता का आदर करता हूं, लेकिन युद्ध के समय कोई रणनीतिक स्वायत्तता नहीं होती।' इसी तरह प्रधानमंत्री मोदी की तरफ से शांति स्थापित करने की बात करने की तरफ इशारा करते हुए गार्सेटी ने कहा कि अभी सिर्फ शांति बहाली की बात करने का समय नहीं है, बल्कि जो लोग शांति भंग कर रहे हैं उन्हें दंड भी दिलाना होगा। उन्होंने रूस से हथियार खरीदने की भारतीय रणनीति पर भी सवाल उठाया है और साफ तौर पर कहा कि भारत को रक्षा साझीदार के तौर पर अमेरिका व रूस में से किसी एक का चयन करना होगा। साथ ही यह भी याद दिलाया कि आज सबसे बहेतरीन रक्षा उपकरण अमेरिका ही बना रहा है और वह इन हथियारों को भारत के साथ साझा करने को भी तैयार है। प्रधानमंत्री मोदी आठ-नौ जुलाई को रूस यात्रा पर थे। इस दौरान उनकी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ चार बार मुलाकात हुई। मोदी की यात्रा के पहले ही दिन रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव स्थित बच्चों के एक अस्पताल पर हमला किया था। मोदी ने इस मुद्दे को दो बार पुतिन के सामने उठाया और बच्चों की मौत पर हृदय छलनी होने का बयान दिया। साथ ही युद्ध के मैदान से शांति बहाली नहीं होने का संदेश भी पुतिन को दिया। पीएम मोदी की इस यात्रा को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति भवन, रक्षा मंत्रालय और विदेश मंत्रालय ने एक दिन पहले ही अलग-अलग बयान जारी किया है। लेकिन नई दिल्ली में गुरुवार को रक्षा क्षेत्र के एक थिंक टैंक के कार्यक्रम में अपने भाषण में गार्सेटी ने कई बार परोक्ष तौर पर मोदी के रूस दौरे का जिक्र किया। इसमें उनकी नाराजगी साफ तौर पर दिखाई पड़ रही थी। गार्सेटी ने यूक्रेन पर रूस के हमले की तुलना चीन की तरफ से भारत के पूर्वी इलाके में किए गए हमले से करते हुए कहा कि आज कोई भी युद्ध बहुत दूर नहीं होता। दुनिया उन देशों को देख रही है जो दूसरे देशों की संप्रभुता का उल्लंघन करते हैं। हमें भारत को यह याद दिलाने की जरूरत नहीं है कि सीमा कितनी महत्वपूर्ण होती है। हमें इन सिद्धांतों पर एक साथ रहना चाहिए।

लाल-नीली बत्ती से शुरू हुआ बवाल अब आईएएस पूजा खेडकर की उम्मीदवारी तक पहुंची आंच; जांच समिति गठित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। ट्रेनी आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर चारों तरफ से घिरती नजर आ रही हैं। प्राइवेट गाड़ी में नीली-लाल बत्ती लगाने से शुरू

हुआ बवाल अब उनकी आईएएस की उम्मीदवारी तक पहुंच गया है। केंद्र सरकार ने उनके दावों की जांच के लिए समिति का गठन कर दिया है। चौतरफा विवादों में घिरीं ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। केंद्र सरकार ने उनकी आईएएस की उम्मीदवारी की जांच करने के आदेश दे दिए हैं और इसके लिए समिति का भी गठन कर दिया है। समिति दो सप्ताह में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। इधर पुणे ट्रैफिक पुलिस ने भी निजी वाहन में लाल बत्ती लगाने पर पूजा को नोटिस भेजा है। आईएएस पूजा खेडकर की उम्मीदवारी के दावों और अन्य विवरणों को सत्यापित करने के लिए भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव रैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी की अध्यक्षता में एक सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। समिति 2 सप्ताह में सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। इधर, पुणे ट्रैफिक पुलिस ने भी पूजा खेडकर पर एक्शन लेते हुए उन्हें निजी गाड़ी में एम्बर बत्ती लगाने के लिए नोटिस भेजा है। पुणे के चतुश्रृंगी यातायात डिवीजन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शफ़ील पठान ने एएनआई को बताया, 'चार पहिया वाहन में कार के सामने एक एम्बर बत्ती लगी हुई है और उस पर महाराष्ट्र सरकार लिखा हुआ है। उक्त निजी वाहन के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम की धारा 177 के तहत कानूनी कार्रवाई की गई है।' उन्होंने कहा, 'यह भी देखा जा रहा है कि उक्त वाहन के खिलाफ पहले भी यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की गई है। उक्त बिल भी बिना शुल्क भुगतान के लंबित है। हमें जानकारी मिली है कि वे उक्त निजी वाहन का उपयोग कर रहे हैं।

मॉडल स्कूल के खाने में मिली छिपकली को लेकर शिक्षा मंत्रालय सख्त, तेलंगाना सरकार को दी ये सलाह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। तेलंगाना के मॉडल स्कूल में नाश्ते में परोसे गए उपमा में छिपकली मिलने की घटना को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने गंभीरता से लिया है। दरअसल, तेलंगाना के रामायमपेट के टीजी मॉडल स्कूल के तीन छात्र उपमा खाने के बाद

बीमार पड़ गए थे। यह खाना 30-40 छात्रों ने खाया था। प्रभावित छात्राओं में नाश्ता करने के बाद उल्टी और दस्त जैसे लक्षण दिखे थे। शिक्षा मंत्रालय ने बयान जारी करके कहा है कि तेलंगाना सरकार ने बताया है कि यह घटना तेलंगाना सरकार के मॉडल स्कूल के छात्रावास में हुई। राज्य सरकार अपनी योजना के तहत मॉडल स्कूलों को नाश्ता मुहैया करवाती है। यह पीएम पोषण योजना के अंतर्गत नहीं आता है। राज्य सरकार ने यह भी बताया है कि उन्होंने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ गंभीर कार्रवाई की है। पुलिस ने बताया कि खाना खाने से उल्टी होने पर तीन छात्रों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। शिक्षा मंत्रालय ने इस मामले में एक बयान जारी किया है। बयान में कहा गया है कि तेलंगाना सरकार ने बताया है कि यह घटना तेलंगाना सरकार के मॉडल स्कूल के छात्रावास में हुई है। राज्य सरकार अपनी योजना के तहत मॉडल स्कूलों को नाश्ता मुहैया करवाती है। यह पीएम पोषण योजना के अंतर्गत नहीं आता है। राज्य सरकार ने यह भी बताया है कि उन्होंने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ गंभीर कार्रवाई की है। शिक्षा मंत्रालय ने आगे यह दोहराते हुए कहा कि पीएम पोषण योजना स्कूलों में गर्म पका हुआ मध्याह्न भोजन प्रदान करती है। मंत्रालय ने तेलंगाना सरकार को सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को सुरक्षा मानदंडों को सुनिश्चित करने और छात्रों के लिए अच्छे से पका हुआ भोजन उपलब्ध कराने के लिए उचित कदम उठाने की सलाह दी है।

अरविंद केजरीवाल की याचिका पर आज फैसला सुनाएगा सुप्रीम कोर्ट, दिल्ली सीएम ने गिरफ्तारी को दी है चुनौती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग केस में ईडी द्वारा गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को अपना फैसला सुनाएगा। आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग केस में ईडी द्वारा गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट आज अपना फैसला सुनाएगा। शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर अपलोड 12 जुलाई की कार्यसूची के अनुसार जस्टिस संजीव खनन की अध्यक्षता वाली पीठ याचिका पर फैसला सुनाएगी। इस पीठ में जस्टिस दीपांकर दत्ता भी शामिल हैं। शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर अपलोड 12 जुलाई की कार्यसूची के अनुसार, जस्टिस संजीव खनन की अध्यक्षता वाली पीठ याचिका पर फैसला सुनाएगी। इस पीठ में जस्टिस दीपांकर दत्ता भी शामिल हैं। 17 मई को पीठ ने अपना फैसला सुरक्षित कर लिया था। केजरीवाल की याचिका पर शीर्ष अदालत ने 15 अप्रैल को ईडी से जवाब तलब किया था। केजरीवाल ने दिल्ली हाई कोर्ट के नौ अप्रैल के आदेश को चुनौती दी है जिसने उनकी गिरफ्तारी को बरकरार रखा था। हाईकोर्ट का कहना था कि इसमें कुछ भी गैरकानूनी नहीं है और बार-बार समन किए जाने के बाद भी पेश नहीं होने और जांच में शामिल होने से इनकार के बाद ईडी के पास कम विकल्प बचे थे।मनी लांड्रिंग के मामले में केजरीवाल को ईडी ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। 20 जून को ट्रायल कोर्ट ने उन्हें एक लाख रुपये के पर्सनल बांड पर जमानत प्रदान कर दी थी।

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय वायुसेना करेगी शक्ति प्रदर्शन; इ-35 समेत ये लड़ाकू विमान दिखाएंगे अपना दमखम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत की वायुसेना शुक्रवार से बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास में शामिल होगी। सैन्य अभ्यास पिच ब्लैक 2024 में भाग लेने के लिए

भारतीय वायु सेना की टुकड़ी गुरुवार को रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स बेस डार्विन, ऑस्ट्रेलिया पहुंची। यह सैन्य अभ्यास 12 जुलाई से दो अगस्त तक आयोजित किया जाना है। सैन्य अभ्यास पिच ब्लैक 2024 में भाग लेने के लिए भारतीय वायु सेना की टुकड़ी ऑस्ट्रेलिया पहुंच गई है।इसमें 20 देशों की वायुसेनाओं के 140 से अधिक विमान और 4400 सैन्यकर्मी भाग लेंगे। इसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना है। अभ्यास में वायुसेना के सुखोई-30 एमकेआई के साथ-साथ एफ-35 एफ-22 एफ-18 एफ-15 ग्रिपेन और टाइफून लड़ाकू विमान शामिल होंगे। 'पिच ब्लैक' आरएएएफ द्वारा आयोजित द्विवार्षिक, बहुराष्ट्रीय अभ्यास है। यह आयोजन एक्स पिच ब्लैक के 43 वर्ष के इतिहास में सबसे बड़ा होगा। इसमें 20 देशों की वायुसेनाओं के 140 से अधिक विमान और 4400 सैन्यकर्मी भाग लेंगे। इसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना है। अभ्यास में वायुसेना के सुखोई-30 एमकेआई के साथ-साथ एफ-35, एफ-22, एफ-18, एफ-15, ग्रिपेन और टाइफून लड़ाकू विमान शामिल होंगे। भारतीय वायुसेना के दल में पायलट, इंजीनियर, तकनीशियन, नियंत्रक और अन्य विशेषज्ञों सहित 150 से अधिक वायु योद्धा शामिल है। भारतीय सैनिक सुखोई-30 एमकेआई बहुउद्देशीय लड़ाकू विमानों के साथ-साथ सी-17 ग्लोबमास्टर और आईएल-78 विमानों से शक्ति प्रदर्शन करेंगे।

आसमान से बरस रही मौत जानलेवा बना मानसून, यूपी, बिहार समेत झारखंड में 75 से ज्यादा की गई जान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। देश के ज्यादातर राज्यों में इन दिनों जमकर बारिश हो रही है। जहां बारिश खेती-किसानी के लिए वरदान साबित हुई है वहीं कई राज्यों में इससे जबरदस्त

जानमाल की हानि हुई है और कई राज्यों में बाढ़ की वजह से जनजीवन बेहाल है। बिहार में गुरुवार को बारिश के दौरान वज्रपात की चपेट में आने से 22 लोगों की मौत हो गई। इनमें मधुबनी में छह पटना व औरंगाबाद में चार-चार सुपौल में दो जमुई गया कैमूर नालंदा गोपालगंज और बेगूसराय में एक-एक शामिल है। वहीं डेढ़ इसमें दर्जन से अधिक लोग झुलस गए। उत्तर प्रदेश में वज्रपात की जद में आने से 43 और डूबने से 9 लोगों की मौत हो गई। इस बीच उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और झारखंड सहित कई राज्यों में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 75 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग घायल हो गए हैं। बिहार में गुरुवार को बारिश के दौरान वज्रपात की चपेट में आने से 22 लोगों की मौत हो गई। इनमें मधुबनी में छह, पटना व औरंगाबाद में चार-चार, सुपौल में दो, जमुई, गया, कैमूर, नालंदा, गोपालगंज और बेगूसराय में एक-एक शामिल हैं। वहीं डेढ़ इसमें दर्जन से अधिक लोग झुलस गए। उत्तर प्रदेश में वज्रपात की जद में आने से 43 और डूबने से 9 लोगों की मौत हो गई। झारखंड में वज्रपात गिरने से एक महिला और उसके नाबालिग बेटे समेत तीन लोगों की मौत हो गई जबकि तीन लोग घायल हो गए। वहीं, बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वज्रपात बिजली गिरने से 20 स्कूली छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके अलावा असम, यूपी समेत कई राज्यों में बाढ़ की वजह से हजारों लोगों को राहत शिविर कैंप में रहने के लिए मजबूर हैं। मौसम विभाग ने आज 17 राज्यों में भारी बारिश का अनुमान जताया है। गोवा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार, अरुणाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, मेघालय और हिमाचल प्रदेश में आज बारिश की उम्मीद जताई गई है। मौसम विभाग ने कहा है कि गोवा, महाराष्ट्र, केरल, कर्नाटक, लक्षद्वीप, अंडमान-निकोबार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार में तूफान और बिजली गिर सकती है। बात करें दक्षिण भारत की तो कर्नाटक के तटीय इलाकों में मछुआरों को समुद्र में ज्यादा न जाने की एडवाइजरी जारी की है।

सुप्रीम कोर्ट ने 16 राज्यों के मुख्य एवं वित्त सचिवों को क्यों किया समन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। न्यायिक अधिकारियों को पेंशन बकाये एवं अन्य

सेवानिवृत्ति लाभों के भुगतान पर दूसरे राष्ट्रीय न्यायिक वेतन आयोग (एसएनजेपीसी) की सिफारिशों के गैर-अनुपालन पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने 16 राज्यों के मुख्य एवं वित्त सचिवों को समन जारी करने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने दूसरे राष्ट्रीय न्यायिक वेतन आयोग की सिफारिशों के गैर-अनुपालन पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने इस मामले में 16 राज्यों के मुख्य एवं वित्त सचिवों को समन जारी करने का आदेश दिया है। पीठ ने कहा कि हम उन्हें जेल नहीं भेज रहे हैं लेकिन उन्हें यहां आने दीजिए फिर हलफनामा दाखिल होगा। उन्हें अभी व्यक्तिगत रूप से पेश होने दीजिए। एसएनजेपीसी की सिफारिशों का अनुपालन नहीं किए जाने पर सख्त नाखुशी जाहिर करते हुए प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला एवं जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा, 'हमें पता है कि अब अनुपालन कैसे कराना है। अगर हम सिर्फ यह कहेंगे कि अगर हलफनामा दायर नहीं किया तो मुख्य सचिव को पेश होना होगा, तो यह दायर नहीं होगा।

केंद्र और राज्यों के बीच खींचतान पर अब लगेगा पूर्ण विराम शिवराज सिंह चौहान ने बनाया ये नया प्लान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कर्नाटक, बंगाल और केरल जैसे राज्यों के साथ केंद्र सरकार की खींचतान लगातार चली

आ रही है, जिसके बीच अब समन्वय के नए प्रयास शुरू हुए हैं। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल से ही 'सबका साथ, सबका विकास' का जो शासन-सूत्र था, अब उस पर ही मिशन मोड पर केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने काम शुरू कर दिया है। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल से ही सबका साथ सबका विकास का जो शासन-सूत्र था अब उस पर ही मिशन मोड पर केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने काम शुरू कर दिया है। लगभग दो दशक तक मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान को इस बार केंद्रीय कैबिनेट में कृषि और ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से संवाद, कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रियों के साथ बैठकों के माध्यम से वह न सिर्फ राज्यों की समस्याओं और आवश्यकताओं को टटोल रहे है, बल्कि उसी के अनुरूप अपने मंत्रालयों का रोडमैप भी तैयार करने में जुट गए है। वह गांवों के रास्ते हर राज्य तक सबका साथ, सबका विकास का संदेश पहुंचाना चाहते हैं। लगभग दो दशक तक मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान को इस बार केंद्रीय कैबिनेट में कृषि और ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। एक राज्य के मुखिया के तौर पर प्रदेश की आवश्यकताओं और समस्याओं को करीब से देखते-समझते रहे, इसलिए उन्होंने केंद्र में अपने कार्यकाल की शुरुआत उन्हीं अनुभवों के साथ की है। शिवराज सिंह ने तय किया है कि हर प्रदेश के मुख्यमंत्री से मिलकर या फोन के द्वारा एक-एक बार शुरुआती संवाद अवश्य करेंगे। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव से मुलाकात कर यह क्रम शुरू कर चुके हैं। इसके साथ ही उनकी कार्यचोजना सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों और ग्रामीण विकास मंत्रियों व संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ शुरुआत में कम से कम एक-एक बैठक करने की है।अब तक वह मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, असम के कृषि मंत्री क्रमशः ऐंदल सिंह कंसाना, सूर्यप्रताप शाही, मंगल पांडेय, राम विचार नेताम और अतुल बोरा सहित इन राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर चुके हैं। इन सभी से जानकारी ली गई कि इनके राज्यों में कृषि विकास की क्या संभावनाएं हैं और केंद्र सरकार से उन्हें क्या सहयोग चाहिए।

मिर्ज़ापुर

सोनभद्र

बच्चों ने मनाया अंतरराष्ट्रीय जनसंख्या दिवस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। अंतरराष्ट्रीय जनसंख्या दिवस पर बृहस्पतिवार को प्रकाश जीनियस पब्लिक इंग्लिश स्कूल

राबर्ट्सगंज सोनभद्र में जनसंख्या दिवस मनाया गया। विद्यालय में विभिनन्‍ प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें छात्रा अनुष्का सिंह और काजल ने भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर सभी को अधिक जनसंख्या से होने वाली समस्याओं के बारे में बताया तथा पेंटिंग एवं स्लोगन प्रतियोगिता के माध्यम से छात्र-छात्राओं ने बढ़ रहे आबादी से होने वाली समस्याओं को दर्शाया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को विद्यालय के प्रबंधक राजेंद्र प्रसाद जैन द्वारा पुरस्कृत किया गया। उन्होंने विद्यालय के बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यह दिवस इसलिए मनाया जाता है ताकि जनसंख्या नियंत्रण सहित जनसंख्या मुद्दों पर प्रकाश डाला जा सके। इसकी स्थापना दुनिया की आबादी से जुड़ी चिताओं को दूर करने के लिए की गई है। इसमें विद्यालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संतोष कुमार पांडे ने बताया कि यह दिवस जनसंख्या सहित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने और जनसंख्या के नकारात्मक प्रभाव के बारे में जागरूकता फैलाने के के लिए मनाया जाता है। जनसंख्या वृद्धि से कई सार्वजनिक चुनौतियां पैदा होती हैं पर्यावरण पर दबाव एवं संसाधनों पर दबाव पड़ता है। इसको कम करने की आवश्यकता है त् इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य, समस्त शिक्षक शिक्षिका एवं विद्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

कीचड़ युक्त सड़क को लेकर रहवासियों ने किया विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।राबटसगंज नगर पालिका

क्षेत्र के अंबेडकर नगर के रहवासियों ने शुक्रवार को खराब सड़क व टूटी नाली को लेकर नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए जताया आक्रोश। वही रहवासियों ने बताया कि अंबेडकर नगर वार्ड 10 व वार्ड 11 को जोड़ने वाली सड़क गड्ढा युक्त हो चुकी है इस मौसम में बरसात का पानी भर जाने के कारण आने-जाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है इसी समस्या को लेकर शुक्रवार को रह वासियों ने प्रदर्शन किया और नगर पालिका प्रशासन पर उपेक्षा का आरोप लगाया रमेश चंद्र केसरी ने बताया कि सड़क पूरी तरीके से ध्वस्त हो चुकी है और नाली का निर्माण बेतरतिब तरीके से हुआ है सड़क से नाली काफी ऊपर है जिससे पानी की निकासी नहीं हो पाती राधेश्याम उमर ने बताया कि इस संबंध में कई बार नगर पालिका प्रशासन को अवगत कराया गया लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ आज स्थिति यह है कि सड़क पर बने गड्ढों में लोग गिरकर चोटिल हो जा रहे हैं प्रदर्शन करने वालों में अमन चौहान विशाल मौर्य पीयूष यादव करन मद्धेशिया मुन्नू गुप्ता राजदेव यादव गौतम सिंह रणधीर कुमार महेंद्र पटेल आदि मौजूद रहे।

भारतीय न्याय संहिता पुस्तक का किए वितरण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। शुक्रवार को जनपद न्यायालय सोनभद्र में स्थित

अधिवक्ताओं को भारतीय न्याय संहिता पुस्तक का वितरण उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के सदस्य विनोद कुमार पाण्डेय के द्वारा किया गया। पुस्तक वितरण के दौरान कुछ अधिवक्ताओं को मेडिकल सहायता धन राशि का चेक भी दिया गया। विनोद कुमार पाण्डेय ने अधिवक्ताओं के बीच में सोनभद्र के प्रत्येक अधिवक्ताओ के समस्या के निस्तारण के लिए सदैव तत्पर रहने का वादा किया। अधिवक्ताओं के ऊपर हो रहे हमले के जवाब में बताया की एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट के लिए लड़ाई जारी है ,जल्द ही सरकार को विचार करना होगा। इस दौरान सोनभद्र बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पूनम सिंह,महामंत्री राजीव कुमार सिंह,विनोद कुमार चौबे, सुरेंद्र पाण्डेय,गडेश मिश्रा, ओमप्रकाश राय,विनोद कुमार शुक्ला,भोला सिंह,अशोक जालान, पवन मिश्रा, शक्ति सेन,अखिलेश पाण्डेय, अखिलेश मिश्र,सच्चिदानंद शुक्ला,संतोष मिश्रा, जेएन गिरी, शरद गुप्ता,आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

दबंगों ने की जमीन पर कब्जा 24 घंटे से पीडित आमरण हंसन पर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। बीते 24 घंटे से कलेक्ट्रेट परिसर में न्यायाधीश कुमार लगाते हुए आमरण हंसन पर बैठे पीडि़त परिवार। वही पीड़ित कन्हेया प्रेम कुमार. राम ललित पुत्र गड़ स्व0 और आराजी नम्बर 22 करके श्री मान अपर आयुक्त बिंध्याचल मण्डल के यहां बाद प्रस्तुत किया जो वाद अदम पेरवी में दिनाक 28.8.2023 को निरस्त कर दिया गया। प्रार्थी गण बहुत कमजोर किस्म का वक्ति

सीताराम गुप्ता निवासी ग्राम गनेशपुर थाना कर्मा तहसील घोरावल ने बताया कि मुझ प्रार्थी गण की भूमिधरी भूमि आराजी नम्बर 21 रकबा 2.780 हे टेडवा ग्राम में हैं जिसकी पक्की पेसाइश पत्थर गड़?डी कब्जा की कार्यवाही उप जिलाधिकारी घोरावल आदेश दिनाक 30.5.2018 को पुष्ट करते हुए राजस्व निरीक्षक द्वारा मौके पर किया गया। जिस पर प्रार्थीगण द्वारा मौके पर काबिज हुआ धान की फसल बोया गया परंतु प्रतिवादीगण जो काफी सरहंग गुण्डा किस्म के व्यक्ति हैं उनका इस आराजी से कोई वास्ता सरोकार नहीं है प्राथी गण की बोए गए फसल को जबर जस्ती नष्ट कर दिया। हैं। प्रार्थी कई बार उपजिलाधिकारी घोरावल थाना प्रभारी कर्मा जरिए प्रार्थना पत्र अपनी गुहार लगाई। पुलिस बल उक्त प्रतिवादीगण के खिलाफ तहरीर दर्ज कर मुकदमा कायम किया गया परंतु आज तक प्रार्थी गण को आराजी नम्बर 21मि पर कब्जा नहीं दिलाया गया। प्राथी गण भुखमरी के कगार पर पहुंच गया है। खेती के अलावा जीवकोपर्जन का कोई साधन नहीं है। प्रार्थीगण विवश होकर दिनाक 31.5.2024 को आपके समक्ष क माननीय मुख्यमंत्री महोदय जरिए प्रार्थना पत्र गुहार लगाई परंतु आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई जिसपर प्रार्थी गण दिनाक 25.6.2024 को आपके समक्ष प्रस्तुत होकर आमरण अनशन करने हेतु दिनाक 3.7.2024 से ज्ञापन सौंपा गया था जिसपर आपके द्दारा प्रतिवादीगण पर एंटी भू-माफिया के तहत मामला दर्ज कराने का आश्वासन दिया गया था लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं 2 हुई। जिसपर प्रार्थी गण द्वारा दिनाक 3.7.2024 को आमरण अनशन शुरू करने हेतु जिलाधिकारी कार्यालय पर उपस्थित हुए जिसपर आपके प्रतिनिधि द्वारा मौके पर पहुंच कर उप जिलाधिकारी घोरावल व छेत्रा धिकारी घोरावल की संयुक्त टीम गठित कर कार्यवाही का आश्वासन दिया गया था लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिसपर प्रार्थी गण?द्वारा निमनलिखित मांगो के साथ दिनाक 10.7.2024से आमरण अनशन शुरू करेंगे। जिसकी समस्त जिम्मेदारी सासन प्रशासन की होगी। 1. प्रार्थी गण को आराजी नम्बर 21 पेमाइशसुदा भूमि पर कब्जा दिलाया जाय। 2. प्रतिवादीगड़ो पर उचित कानूनी कार्रवाई करते हुए एंटी भू माफिया के तहत मामला दर्ज किया जाय। 3. प्रार्थीगण को प्रतिवादीगण से कब्जित भूमि का प्रतिकर/वर्ष के साथ दिलाया जाय। 4. प्रदिवादी गड़ सरहंग गुण्डा किस्म के व्यक्ति हैं जिससे प्रार्थी गण को जान माल का खतरा है प्रार्थी गण को सुरचा प्रदान किया जाय।

ओबरा तापीय परियोजना के विस्तारीकरण को लेकर ऊजड़ते मजदूरों को मिली बड़ी राहत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। ओबरा तापीय परियोजना के विस्तारीकरण को लेकर कई पीढ़ियों से न्यूनतम मानक दर पर जीवन यापन कर रहे संविदा कर्मी सफाई कर्मी एवं झुग्गी झोपडि़यों में निवास कर रहे गरीबों को उजाड़ने की प्रक्रिया में बहुत बड़ी राहत मिली शुक्रवार को ओबरा थाने परिसर में अपर

जिलाधिकारी (वित्त) सहदेव मिश्रा, उप जिलाधिकारी ओबरा विवेक सिंह , ओबरा इंस्पेक्टर राजेश कुमार सिंह एवं ओबरा तापीय परियोजना के सिविल के जिम्मेदार अधिकारियों , एनटीपीसी के जिम्मेदार अधिकारियों एवं अनुसूचित मोर्चा के जिला मंत्री इंजीनियर पंकज गौतम ,सफाई कर्मी अजय कुमार, अशोक कुमार, संविदा कर्मी रामसूरत यादव, राममिलन भारती के बीच त्रिकोणीय वार्ता हुई। वार्ता के दौरान उजड़ रहे जनमानस को बड़ी राहत देते हुए अपर जिलाधिकारी द्वारा ओबरा तापीय परियोजना के अधिकारियों को निर्देशित भी किया गया की जल्द से जल्द उजड़ रहे लोगों को चिन्हित कर ग्राम समाज , न्याय पंचायत अथवा सीलिंग की जमीन पर जब तक स्थाई रूप से स्थापित न कर दिया जाए तब तक इन्हें घर से वंचित कर सड़क पर नहीं छोड़ दिया जाएगा । वार्ता के दौरान ओबरा थाने परिसर के बाहर पप्पू राम, विशाल, अनिल, गोविंद, सुनील कुमार शीला देवी, सावित्री देवी सहित सैकड़ो की संख्या में विस्थापित हो रही जनता खड़ी रही एवं अपर जिलाधिकारी द्वारा दिए गए ऐतिहासिक आश्वासन से उजड़ रहे जनमानस को बड़ी राहत मिली।

भारतीय संविधान धर्म निर्पेक्ष संविधान है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। शुक्रवार को बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में विधानसभा स्तरीय समीक्षा बैठक दुद्धी तुलसी निकेतन में आयोजित किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता बी0 सागर जिलाध्यक्ष बसपा एवं मुख्य अतिथि के रूप में गुड्डू राम सेक्टर इंचार्ज मिर्जापुर मंडल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में राम विचार गौतम सेक्टर इंचार्ज, डॉ0ओपी मौर्या सेक्टर इंचार्ज मिर्जापुर मंडल तथा पननलाल जिला प्रभारी, उमेश कुशवाहा जिला कोषाध्यक्ष बसपा एवं संजय गोंड प्रभारी , बाबूराम प्रजापति प्रभारी रहे। बहन कु0 मायावती राष्ट्रीय अध्यक्ष बसपा पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश पूर्व सांसद राज्यसभा द्वारा किए गए ट्वीट के बारे में जानकारी देते हुए बी0सागर जिलाध्यक्ष बसपा ने कहा की भारतीय संविधान के मान ऽसम्मान मर्यादा तथा इसके क्षमता मूलक एवं कल्याणकारी उद्देश्यों के विरुद्ध जाकर दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि विभाग में मनुस्मृति पढ़ाया जाने के प्रस्ताव का स्वाभाविक तथा इस प्रस्ताव को रद्द किए जाने का फैसला स्वागत

योग्य कदम है। मुख्य अतिथि के रूप में गुड्डू राम ने कहा की परम पूज्य बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने खास कर उपेक्षितों व महिलाओं के आत्म सम्मान व स्वाभिमान के साथ ही मानवतावाद एवं धर्मनिरपेक्षता को मूल में रखकर सर्व स्वीकार भारतीय संविधान की संरचना की जो मनुस्मृति से कोई मेंल नहीं खाता है।अतः ऐसा कोई प्रयास कत्तई उचित नहीं है। इसके पश्चात डा0 ओ0पी0 मौर्या जी ने कहा की बहुजन समाज पार्टी संविधान के अनुसार चलती है जो संतो महापुरुषों ने त्याग किया है ।और उस त्याग को हम भूलेंगे नहीं। बसपा के शासनकाल में सभी वर्गों का भला हुआ है । समाचार गौतम ने कहा अनु सूचित जाति जनजाति पिछड़ा वर्ग , अल्पसंख्यक तथा गरीब तबके के उच्च वर्ग के लोगों को भी उन्होंने मुख्य धारालाने का काम किया। अविनाश शुक्ला जिला उपाध्यक्ष बसपा ने कहा की सर्व समाज का हित बसपामें ही सुरक्षित है माननीय बहन कुमारी मायावती जी के कथनी करनी में कोई अंतर नहीं है इस दौरान वक्ताओं में पननलाल डॉक्टर रामावतार चौहान जिला महासचिव , अमन मौर्य जिला मीडिया प्रभारी, , पवन कुमार , ,संदीप कुमार विधान सभा अध्यक्ष दुद्धी , महेंद्र सेन महा सचिव आदि लोग रहें रहे ।

किसानों की समस्याओं पर सोन पंप कैनाल का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।जनपद सोनभद्र के किसानों की समस्याओं को लेकर के जो विषय मंत्री स्वतंत्र देव को बताई गई थी तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्होंने टीम गठित की और प्रदेश महामंत्री भाजयुमों देवेंद्र भाई पटेल के निगरानी में ओबरा बांध खंड ओबरा के अधिशासी अभियंता,सोन यांत्रिक निर्माण खंड वाराणसी के अभियंता और अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड रावटसगंज की संयुक्त टीम ने सोन पंप कैनाल का निरीक्षण किया निरीक्षण किया साथ ही ओबरा डीह बंधी, केरवाखाड़ बंधी, गुरदह बंधी का निरीक्षण किया जिसमें सोन पंप कैनाल के पास बने सब स्टेशन में वर्तमान में 10-10 एमबीए के तीन ट्रांसफार्मर लगे हैं जिसके कारण से बिजली कटने पर पानी की आपूर्ति बंद हो जाती है एक पंप

बंद होने से दूसरा पंप का पानी ओवर फ्लो कर जाता है निरीक्षण में यह पाया गया कि यदि 20-20 एमबीए के दो ट्रांसफार्मर संयुक्त रूप से लग जाएं तो सभी पंपों पर बिजली आपूर्ति एक समान और एक साथ मिलेगी जिससे सभी पंप एक साथ संचालित हो सकेंगे और सभी 6 पंप एक साथ चलसकेंगे वहीं गुरादह में सोन नदी के पास से एक लिफ्ट लगाकर उपरोक्त बंधियों में पानी गिराने का प्रस्ताव बना जो अति शीघ्र शासन को भेज कर इस काम को पूरा कराया जाएगा इसी के साथ सोन पंप कैनाल में चल रहे पंपों के विस्तार पर भी चर्चा हुई अति शीघ्र छह पंप और चालू किए जाएंगे कुल 12 पंप हो जायेंगे जिससे अति शीघ्र सोनभद्र जिले के किसानो को सिंचाई की समस्या से निदान मिल सकेगा! प्रदेश महामंत्री देवेंद्र पटेल जी के साथ नगर पंचायत अध्यक्ष चुर्क ओम प्रकाश यादव सभासद प्रभात सिंह पटेल मंडल महामंत्री अरुण चौबे मण्डल मंत्री दिनेश पटेल आलोक कुमार सिंह बिछिया से महेंद्र प्रताप सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

डिजिटल उपस्थिति का शिक्षक / शिक्षामित्र /अनुदेशकों ने जताया विरोध

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। बेसिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों को सरकार द्वारा है एक तरफ जहां शासन द्वारा डिजिटल उपस्थिति के लिए दबाव बनाया जा रहा है वहीं दूसरी

डिजिटल उपस्थिति के लिए दबाव बनाया जा रहा है लेकिन सरकार शिक्षकों /शिक्षामित्रों /अनुदेशकों की वर्षों से लंबित मांगो को पूरा नहीं कर रही है जिससे शिक्षकों में भारी निराशा व आक्रोश व्याप्त तरफ विद्यालयों में मूलभूत समस्याओं को ध्यान नहीं दिया जा रहा है विद्यालय में विद्युत सड़क एवं आवागमन की तमाम समस्याएं हैं पहले इन समस्याओं को दूर किया जाय।

सुचारू रूप से न्यायिक कार्य करने के लिए अधिवक्ताओं को मिले आधारभूत सुविधा- डॉक्टर अतुल पटेल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ अतुल प्रताप पटेल एडवोकेट के नेतृत्व में वृहस्पतिवार कैम्पस के सभी सीनियर व जूनियर अधिवक्तागण जो इस उमस भरी गर्मी में बिना पंखा (बिजली) के बैठ रहे हैं और गर्मी से न्यायिक कार्यो को नहीं कर पा रहा है,प्रतिदिन कौंसिल आफ इंडिया को पत्रक भेजा गया है। सभी को पंखा चलाने के लिए निःशुल्क बिजली मुहैया कराने की मांग उठाई है। प्रदर्शन करने वालों

को अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में विरोध प्रदर्शन कर आधारभूत सुविधाएं मुहैया कराने की मांग उठाई। अधिवक्ता हितों के लिए जिलाधिकारी सोनभद्र एवं अध्यक्ष बार काउंसिल उत्तर प्रदेश इलाहाबाद से मांग किया है कि जनपद न्यायालय एवं तहसील कोट पर पसीने का धब्बा एवं बदबू हो रहा है सभी अधिवक्तागण के हितों को ध्यान में रखते हुए जनपद न्यायाधीश सोनभद्र, जिलाधिकारी सोनभद्र, उपजिलाधिकारी सदर व अध्यक्ष बार कौंसिल आफ उत्तर प्रदेश एवं अध्यक्ष बार में अधिवक्ता पवन कुमार सिंह, शारदा प्रसाद मौर्य, बीपी सिंह, अशोक कनौजिया, सुरेश सिंह कुशवाहा, राजेश यादव, संदीप जायसवाल, राजकुमार सिंह पटेल, चंद्र प्रकाश सिंह, अशोक पांडेय,सुरेश कुमार सिंह आदि अधिवक्तागण शामिल रहे।

6 सूत्री मांगों को लेकर शिक्षकों ने किया विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। गुरुवार को ऑनलाइन उपस्थिति के विरोध में संयुक्त शैक्षिक संगठन संघर्ष समिति के बैनर तले समस्त शैक्षिक संगठनों के पदाधिकारी व हजारों शिक्षकों , जिसमें प्रमुख रूप से शिक्षक शिक्षिकाओं के कैशलेस चिकित्सा सुविधा(बिना प्रीमियम) स्थानांतरण पदोननति वेतन विसंगति विद्यालयों में लिपिक की नियुक्ति एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की नियुक्ति की मांगे

शिक्षामित्रों एवं अनुदेशकों ने पूर्व से लंबित बाधित समस्याओं का निराकरण किये जाने एवं विभाग द्वारा परिषदीय शिक्षक/ शिक्षिकाओं के साथ दोहरा मापदंड अपनाते हुए परिषदीय शिक्षक /शिक्षिकाओं से विद्यालय की पंजिकाओं का डिजिटाइजेशन व डिजिटल(डिजिटल फेस छायांकन)उपस्थित कराए जाने संबंधी किस निर्देश के संबंध में बेसिक शिक्षा परिषद के नियंत्रण अधीन शिक्षक शिक्षिकाओं की पूर्व से लंबित बाधित विभिनन्‍ समस्याओं एवं मांगों के संबंध में प्रदेश संगठन एवं जनपद संगठन द्वारा अनेकों अनेक पत्र शासन एवं विभागीय उच्च अधिकारियों को उचित माध्यम से मांग पत्र प्रेषित कर संज्ञानित किया जा चुका है समस्याएं पूर्व से बाधित व लंबित हैं ,वही प्रदेश के शिक्षक शिक्षिकाओं का गंभीर मुद्दा पुरानी पेंशन बहाली की मांग सम्मिलित है,शासन विभाग एवं विभागीय उच्च अधिकारियों द्वारा प्रदेश के परिषदीय शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ दोहरा मापदंड अपनाते हुए प्रदेश के शिक्षक शिक्षकों से विद्यालय पंजिकाओं का डिजिटाइजेशन व डिजिटल ऑनलाइन फेस छायांकन उपस्थित कराए जाने जैसे निर्देश जारी कर दिया गये जो कि प्रदेश के शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ पूर्णतः अव्यवहारिक है वह माननीय सवोच्च न्यायालय द्वारा ऐसा किया जाना व्यक्ति के निजता का हनन माना गया है ऑनलाइन उपस्थिति के विरोध में एवं अपनी बहुत समय से लंबित मांगों के संबंध में जिलाधिकारी कार्यालय के सम्मुख विभिनन्‍ शैक्षिक संगठनों ने उपस्थित होकर आज धरना दिया एवं जिला अधिकारी के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी के लिए ज्ञापन भेजा गया। शिक्षक /शिक्षिकाओं , शिक्षामित्र एवं अनुदेशकों की मांगे निमन्वत है 1. ऑनलाइन उपस्थिति पूर्णतः अव्यवहारिक नियमों एवं सेवा शर्तों के विरुद्ध है वह स्वीकार नहीं है इसे तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए 2. परिषदीय शिक्षकों को 30 ई एल हाफ डे सीएल एवं प्रतिकर अवकाश प्रदान किया जाए साथ ही नई शिक्षा नीति के तहत सप्ताह में अधिकतम 30 घंटे की पढ़ाई निर्धारित करते हुए केंद्रीय विद्यालयों की तरह 5 दिवसीय शिक्षण कार्य कराया जाए 3. समस्त शिक्षक कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल की जाए
4. शिक्षामित्र अनुदेशकों को नियमित किया जाए नियमितीकरण प्रक्रिया पूरी होने तक समान कार्य समान वेतन के सापेक्ष मानदेय दिया जाए साथ ही एक शिक्षक जनपद में स्थानांतरण भी किया जाए
5. बरसों से लंबित पदोननति प्रक्रिया पूर्ण किया जाए सभी विद्यालयों में प्रधानाध्यापक पद सृजित हो साथ ही शिक्षकों को उनके मूल ऐच्छिक जनपद में स्थानांतरण करते हुए अंतर्जनपदीय स्थानांतरण किया जाए 6. परिषदीय शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्यों से पूर्णतया मुक्त रखा जाए 7. परिषदीय शिक्षकों को सामूहिक बीमा एवं कैशलेस (प्रीमियम मुक्त) चिकित्सा की सुविधा प्रदान की जाए इस मौके पर सभी संगठनों के अध्यक्ष क्रमशःरवि भूषण सिंह, योगेश कुमार पांडेय, संतोष कुमारी, शिवम अग्रवाल, राजकुमार मौर्य ,कौशरजहां सिद्दीकी, वकील अहमद खान ,अरविंद सिंह, रविंद्र सिंह एवं हजारों शिक्षक/शिक्षिकाएं / शिक्षामित्र /अनुदेशक मौजूद रहे।

आकाशीय बिजली से आशा की हुई मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के करारी गांव में आकाशीय बिजली से एक महिला की मौत हो गई

बताया गया कि दोपहर बाद अचानक बरसात शुरू हुई और करारी गांव निवासी कौशल्या 47 वषिय्‍ पतनी छोटेलाल खेत की तरफ गई हुई थी इसी दौरान तेज चमक के साथ गिरी आकाशीय बिजली की चपेट में आ गई और मौके पर उनकी मौत हो गई इसकी सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया कौशल्या प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ककराही के अधीन आशा कार्यकर्ती के रूप में कार्य कर रहे थीं इसकी सूचना परिजनों द्वारा रावटसगंज कोतवाली पुलिस को दी गई समाचार लिखे जाने तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंच पाई थी।

स्पोर्ट्स

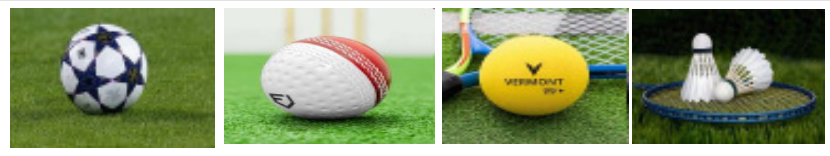

क्रिकेट की 'वंडर बेबी' बनी चार साल की रिषिका

'इंटरव्यू तो अच्छा लेते हैं, लेकिन अब देखेंगेष्ठ',गौतम गंभीर के हेड कोच बनने पर शाहिद अफरीदी का रिएक्शन वायरल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बीसीसीआई ने पूर्व भारतीय दिग्गज ओपनर गौतम गंभीर को टीम इंडिया का नया हेड इंडिया के हेड कोच की भूमिका में नजर आएंगे। गंभीर के कोच बनने के बाद शाहिद अफरीदी ने स्टार स्पोट्र्स से बातचीत करते हुए कहा अब ये उनपर निर्भर करता है कि वो इस मौके को किस तरह से भुनाते हैं। कभी-कभार उनका इंटरव्यू सुनने को मिल जाता है। वो काफी

कोच बनाया है। गंभीर श्रीलंका के खिलाफ सीरीज से अपना कार्यभार संभालेंगे। गंभीर के हेड कोच बनने के बाद पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी का रिएक्शन सामने आया है। अफरीदी ने गंभीर के कोच बनाने के फैसले को सकारात्मक बताया और कहा कि उनके लिए अपनी नई भूमिका में छाप छोड़ने का अच्छा मौका है। टी20 विश्व कप 2007 और 2011 वनडे विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रहे गौतम गंभीर अब टीम कि मेरे हिसाब से उनके (गौतम गंभीर) लिए बड़ा मौका है। अब ये उनपर निर्भर करता है कि वो इस मौके को किस तरह से भुनाते हैं। दरअसल, टी20 विश्व कप 2007 और 2011 वनडे विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रहे गौतम गंभीर अब टीम इंडिया के हेड कोच की भूमिका में नजर आएंगे। गंभीर के कोच बनने के बाद शाहिद अफरीदी ने स्टार स्पोट्र्स से बातचीत करते हुए कहा कि मेरे हिसाब से उनके (गौतम गंभीर) लिए बड़ा मौका है। सकारात्मक बातें करते हैं। भारतीय टीम ने टी20 वर्ड कप 2007 और वनडे वल्ड कप 2011 की ट्रॉफी उठाई थी तो गंभीर इस विजेता टीम का हिस्सा थे। होंने दोनों ही टूर्नामेंट के फाइनल में मैच जिताऊ पारी खेली थी। टी20 वल्ड कप 2007 के फाइनल में गौतम गंभीर ने 54 गेंदों पर 75 रन ठोके थे। वनडे विश्?व कप 2011 के फाइनल में भारतीय दिग्गज ने 122 गेंदों पर 97 रन की मैच जड़ दिए थे।

बेन स्टोक्स ने टेस्ट क्रिकेट में किया बड़ा कारनामा, गैरी सोबर्स और जैक कैलिस के खास क्लब में मारी एंट्री

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच इन दिनों 3 टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला खेला जा रहा है। लॉर्ड्स के एतिहासिक मैदान पर खेले जा रहे इस मैच में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इतिहास रच दिया। वेस्टइंडीज की में 200 विकेट लेने वाले और 6000 से ज्यादा रन बनाने वाले इंग्लैंड के पहले प्लेयर बने। इसके अलावा इंटरनेशनल क्रिकेट में यह कारनामा करने वाले वह तीसरे खिलाड़ी हैं। उनसे पहले वेस्टइंडीज के सर गैरी सोबर्स और साउथ अफ्रीका के जैक कैलिस भी यह

दूसरी पारी में एक विकेट लेते ही स्टोक्स के टेस्ट में 200 विकेट पूरे हुए।इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच इन दिनों 3 टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला खेला जा रहा है। लॉर्ड्स के एतिहास?िक मैदान पर खेले जा रहे इस मैच में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इतिहास रच दिया। उन्होंने वेस्टइंडीज के सर गैरी सोबर्स और साउथ अफ्रीका के जैक कैलिस के खास क्लब में जगह बना ली है। इसके साथ ही स्टोक्स टेस्ट उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। स्टोक्स ने अपने करियर में अब तक 103 टेस्ट खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 6320 रन बनाए हैं और 200 विकेट अपने नाम किए हैं। सर गैरी सोबर्स ने अपने करियर में 93 टेस्ट खेले थे। इस दौरान 160 पारियों में उन्होंने 57.78 की औसत से 8032 रन बनाए थे। इसके अलावा 159 पारियों में उन्होंने 235 विकेट भी चटकाए थे। दिग्गज ऑलराउंडर जैक कैलिस ने अपने करियर में 166 टेस्ट मैच खेले।

जेम्स एंडरसन के नाम जुड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड, कपिल देव भी नहीं कर सके जो काम, कर दिखाया वो कमाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच खेली जा रही टेस्ट सीरीज के मैदान पर जारी पहले टेस्ट में जेम्स एंडरसन (र्िसे ंटीदह) ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 50 बजार कप्तान क्रेग ब्रैथवेट और जेसन होल्डर को अपना शिकार बनाया। फेयरवेल टेस्ट में जेम्स एंटरसन

के पहले टेस्ट के दौरान इंग्लिश दिग्गज जेम्स एंडरसन ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। जेम्स एंडरसन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से अपने संन्यास का एलान कर दिया है। वह लॉर्ड्स में अपना फेयरवेल टेस्ट खेल रहे हैं। इंग्लैंड टीम के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने इतिहास के पननें पर अपना नाम सुनहरे अक्षरों से लिखवा दिया है। अपने टेस्ट करियर के फाइनल टेस्ट मैच में उन्होंने विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट के दौरान जेम्स एंडरसन ने एक करिश्माई रिकॉर्ड छुआ। वह टेस्ट क्रिकेट में 40 हजार गेंद फेंकने वाले पहले पेसर और दुनिया के चौथे बॉलर बने। लॉर्ड्स गेंदें डालने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। ऐसा कारनामा करने वाले वह दुनिया के चौथे और पहले इंग्लिश खिलाड़ी बने हैं। उनसे पहले श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन, भारत के अनिल कुंबले और ऑस्ट्रेलिआ के शेन वॉर्न ने ये कमाल किया था। दरअसल, इंग्लैंड बनाम वेस्टइंडीज के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट के दूसरे दिन तक वेस्टइंडीज ने दूसरी पारी में 6 विकेट गंवा दिए हैं और इंग्लैंड से वह अभी भी 171 रन पीछे चल रही है। पहली पारी में इंग्लैंड के लिए जेम्स एंडरसन ने 1 विकेट लिया था। उन्होंने डेब्यूटेंट गस एटकिंसन को चलता किया था। 41 साल की उम्र में जेम्स का जवाब नहीं। उन्होंने दूसरी पारी में गजब की गेंदबाजी कर विंडीज टीम के ने वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया। वह टेस्ट क्रिकेट इतिहास में 40000 बॉल गेंद फेंकने वाले पहले पेसर बने हैं। वहीं, इसके अलावा दुनिया में ऐसे पहले पेसर बने, जिन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में 50 हजार से ज्यादा गेंद डाली। अगर बात करें जेम्स एंडरसन के जारी फेयरवेल टेस्ट की तो पहली पारी में उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा, जहां पहली पारी में उन्होंने डेब्यूटेंट गस एटकिंसन को चलता किया। दूसरी पारी के दूसरे दिन तक जेम्स एंडरसन ने 10 ओवर गेंदबाजी की जिसमें 5 ओवर मेडल डाले और कुल 11 रन खर्च किए। इस दौरान उन्होंने दो विकेट भी चटकाए।

भारत ने पाकिस्तान जाने से किया इनकार तो शाहिद अफरीदी ने तपाक से कहा विराट कोहलीतो देश ही भूल जाएंगे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब अपने नाम करने के बाद अब भारतीय टीम की नजर अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी पर है। टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। की मेजबानी पाकिस्तान को दी गई है। ऐसे में भारतीय टीम पाकिस्तान का दौरा करेगी या नहीं यह अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। कुछ मीडिया रिपोट्र्स में दावा किया गया है कि भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी। इस बीच पूर्व पाकिस्तानी ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने भारतीय टीम और विराट कोहली को पाकिस्तान आने के लिए कहा है। इस बीच पूर्व पाकिस्तानी ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने भारतीय टीम और विराट

पाकिस्तान को दी गई है। ऐसे में भारतीय टीम पाकिस्तान का दौरा करेगी या नहीं यह अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। कुछ मीडिया रिपोट्र्स में दावा किया गया है कि भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी। बीसीसीआई चैंपियंस ट्रॉफी के वेन्यू में बदलाव करने को लेकर आईसीसी से बात करेगा। बोर्ड चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन श्रीलंका या दुबई में कराने को लेकर आईसीसी से बात कोहली को पाकिस?तान आने के लिए कहा है। अफरीदी ने कहा कि भारतीय और पाकिस्तानी दोनों क्रिकेट टीमों को अतीत में एक-दूसरे के फैंस से प्यार मिला है और उन्होंने राजनीति को खेल से दूर रखने का आह्वान किया। अफरीदी ने कहा कि पाकिस्तान में विराट कोहली की बड़ी फैन फॉलोइंग है। अफरीदी ने कहा, ठमैं भारतीय टीम का पाकिस्तान में स्वागत करता हूं।

टी20 विश्व कप 2024 से पहले शाहीन अफरीदा और बैटिंग कोच मोहम्मद यूसुफ के बीच हुई थी तीखी बहस, सामने आई वजह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2024 से पहले पाकिस्तान टीम इंग्लैंड दौरे पर गई थी। जहां दोनों टीमों के की रिपोर्ट के अनुसार यूसुफ ने शाहीन नो बॉल की तरफ इशारा किया। बार-बार की आलोचना से निराश शाहीन ने यूसुफ से अपने

बीच टी20घ् सीरीज खेली गई। इस सीरीज के दौरान पाकिस्तान पेसर शाहीन अफरीदी और उनके बैटिंग कोच मोहम्मद युसूफ में तीखी बहस हुई। टी20 विश्व कप 2024 से पहले पाकिस्तान की टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20घ् सीरीज खेली थी। इस सीरीज से पहले ट्रेनिंग सेशन के दौरान शाहीन और यूसुफ के बीच टकराव हुआ। जियो न्यूज काम से काम रखने को कहा। रिपोर्ट के अनुसार, कोच और मैनेजमेंट ने पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी से शाहीन के इस रवैये को लेकर शिकायत भी की थी। न्यूज एजेंसी एएनआई ने जियो न्यूज की उस रिपोर्ट को कंफर्म किया कि शाहीन और यूसुफ के बीच ट्रेनिंग सेशन के दौरान आप में तीखी बहस हुई थी दरअसल, टी20 विश्व कप 2024 से पहले पाकिस्तान की टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20घ् सीरीज खेली थी। इस सीरीज से पहले ट्रेनिंग सेशन के दौरान शाहीन और यूसुफ के बीच टकराव हुआ। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यूसुफ ने शाहीन नो बॉल की तरफ इशारा किया। बार-बार की आलोचना से निराश शाहीन ने यूसुफ से अपने काम से काम रखने को कहा। इस दौरान यूसुफ ने शाहीन को याद दिलाया कि वह बस एक कोच के रूप में अपना काम कर रहे थे। दोनों के बीच इस तरह जुबीनी जंग हो गई और स्थिति बिगड़ गई, लेकिन बाद में शाहीन ने माफी भी मांग ला वेस्टइंडीज और यूएस में आयोजित हुए आईसीसी मेंस टी20 विश्व कप 2024 में पाकिस्तान टीम का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। पाकिस्तान को पहले संयुक्त राज्य अमेरिका ने सुपर ओवर में हराया और फिर भारतीय टीम के हाथों उसे 6 रन से हार झेलनी पड़ी। बाबर की सेना ने इसके बाद कनाडा और आयरलैंड के खिलाफ संघर्षपूर्ण जीत हासिल की। इस तरह ग्रुप-स्टेज से ही पाकिस्तान की टीम बाहर हो गई।

शाहीन अफरीदी पर लगा कोच गैरी कर्स्टन से बदसलूकी का आरोप, टी-20 विश्व कप के दौरान हुआ था ऐसा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।टी20 विश्व कप में पहले दौर में बाहर होने के बाद दु?र्व्यवहार करने आरोप लगा है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, अफरीदी ने टी-20 विश्व

पाकिस्तानी टीम में विवाद थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। अब पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी पर टीम के कोच गैरी क?र्स्टन और अन्य कोच के साथ कप के दौरान क?र्स्टन और अजहर महमूद के साथ बदतमीजी की थी। टी20 विश्व कप में पहले दौर में बाहर होने के बाद पाकिस्तानी टीम में विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी पर टीम के कोच गैरी क?र्स्टन और अन्य कोच के साथ दु?र्व्यवहार करने आरोप लगा है। हालांकि अब इस बात की जांच की जा रही है कि इतना होने के बाद भी टीम प्रबंधन ने अफरीदी पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं की थी। हालांकि अब इस बात की जांच की जा रही है कि इतना होने के बाद भी टीम प्रबंधन ने अफरीदी पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं की थी। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि अफरीदी ने आयरलैंड दौरे और इंग्लैंड दौरे पर भी कोचिंग स्टाफ के साथ बदतमीजी की थी। इससे पहले, चयनकर्ता पद से हटाए जाने के बाद वहाव रियाज ने पहली बार चुप्पी तोड़ते हुए कहा था कि मैं बहुत कुछ कह सकता हूं, लेकिन में इस ब्लेम गेम का हिस्सा नहीं बनना चाहता हूं।

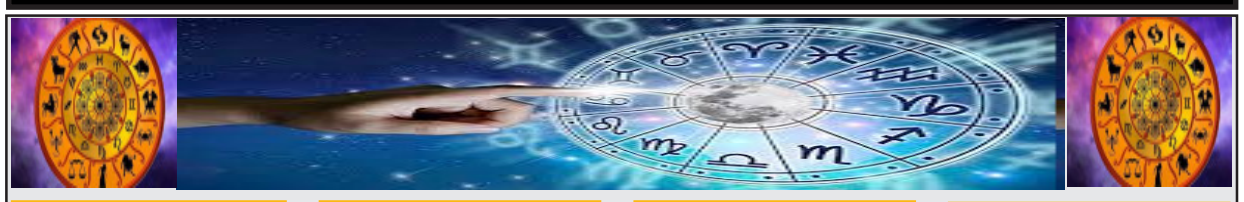

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन्न रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

रिंकू सिंह के साथ कौन है ये 'मिस्ट्री गर्ल'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत और जिम्बाब्वे के बीच इस वक्त पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जा रही है, जिसमें टी20 सीरीज के अब तक तीन मैच खेले गए है जिसमें दो मैच टीम इंडिया ने जीते जबकि एक मैच में जिम्बाब्वे को जीत मिली। भारतीय टीम ने लगातार दो टी20 मैच में जीत हासिल क और सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। इस वीडियो में सभी खिलाड़ी जंगल में जानवरों की फोटो क्लिक करते हुए नजर आए। वहीं, वायरल वीडियो में स्टार क्रिकेटर रिंकू सिंह को एक मिस्ट्री

टीम इंडिया ने दो मैच जीतकर 2-1 की बढ़त बना ली है। तीसरे टी20 मैच में मिली जीत के बाद भारतीय टीम के सभी खिलाड़ी जंगल सफारी पर गए थे, जिसका वीडियो भारतीय टीम के इंस्टाग्राम के ऑफिशियल अकाउंट पर शेयर किया गय भारतीय टीम इस वक्त जिम्बाब्वे दौरे पर है जहां टीम पांच मैचों की टी20 सीरीज खेल रही है। इस गर्ल के साथ देखा गया। अब हर कोई ये जानना चाहता है कि आखिर ये मिस्ट्री गर्ल कौन हैं? दरअसल, हरारे जू में भारतीय टीम के खिलाडि़यों की ट्रिप का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें रिंकू सिंह एक मिस्ट्री गर्ल के साथ घूमते हुए नजर आ रहे हैं। ये मिस्ट्री गर्ल और कोई नहीं, बल्कि शुभमन गिल की बहन शहनील गिल हैं।

धवन के साथी खिलाड़ी ने बनाया आईपीएल में अनोखा रिकॉर्ड

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। लंका प्रीमियर लीग 2024 का 13वां मैच 10 जुलाई को कोलंबो स्ट्राइकर्स और जाफना किंग्स के

बीच दांबुला में खेला गया। जाफना किंग्स की टीम को 9 गेंद बाकी रहते हुए 7 विकेट से जीत मिली। इस मैच में जाफना किंग्स की जीत के रियल हीरो आईपीएल में पंजाब किंग्स के लिए शिरकत करने वाले साउथ अफ्रीका क विस्फोटक बैटर रिली रोसो रहे, जिनका बल्ला जमकर गरजा कोलंबो स्ट्राइकर्स द्वारा मिले गए 189 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जाफना किंग्स की तरफ से नंबर 3 पर बैटिंग करने उतरे राइली रूसो ने मैदान पर कदम रखते ही बल्ले से तहलका मचाया। राइली रूसो ने 44 गेंद का सामना करते हुए लंका प्रीमियर लीग के इतिहास का सबसे तेज शतक जमाया। उन्होंने अपनी पारी में 12 चौके और 6 छक्के जड़े। टीम के लिए उन्होंने तीसरे क्रम पर बैटिंग करते हुए कुल 50 गेंदों का सामना किया और 216 के स्ट्राइक रेट से उन्होंने नाबाद 108 रन की पारी खेली। उनकी इस पारी में कुल 12 चौके और 6 छक्के शामिल रहे। मैच में तूफानी पारी खेलने के बाद उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। दरअसल, 189 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जाफना किंग्स की तरफ से नंबर 3 पर बैटिंग करने उतरे राइली रूसो ने मैदान पर कदम रखते ही बल्ले से तहलका मचाया। राइली रूसो ने 44 गेंद का सामना करते हुए लंका प्रीमियर लीग के इतिहास का सबसे तेज शतक जमाया।

सम्पादकीय

चुनौतियों के बीच बेहतर कर प्रशासन के अवसर पहचानना जरूरी, तर्कसंगत बनेगी व्यवस्था

यह सच है कि जीएसटी में किसी राज्य के हित से ज्यादा राष्ट्रीय हितों को तवज्जो दी गई है। एकीकृत वस्तु एवं सेवा कर (आईजीएसटी) से प्राप्त आय का प्रबंधन भी एक बड़ा विषय है। पचास प्रतिशत आईजीएसटी मूलतः वितरण के लिए केंद्र द्वारा संग्रहीत राज्य राजस्व है। यह कर वस्तु एवं सेवाओं के अंतरराज्यीय आवाजाही के बदले वसूला जाता है, इसलिए इसे आपूर्ति की जगह/राज्य के अनुसार वितरित किया जाना चाहिए।वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) भारतीय कराधान के इतिहास में एक ऐतिहासिक कर सुधार रहा है। यह अब सात साल पुराना हो चुका है। एक जुलाई, 2017 को शुरू होने के बाद से इसे लेकर उम्मीदें बढ़ी ही हैं। जीएसटी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इसने कर व्यवस्था को अधिक कुशल और सरल बना दिया है। हालांकि विभिन्न संक्रमणकालीन चुनौतियों के कारण थोड़ा संदेह भी पैदा हुआ है। अप्रत्यक्ष कर पारंपरिक रूप से सरकारों के लिए कर राजस्व का एक महत्वपूर्ण स्रोत रहा है। लंबे समय तक अप्रत्यक्ष कर को राजस्व के साधन के रूप में देखा जाता था, न कि आर्थिक विकास को बढ़ावा देने वाले साधन के रूप में। नतीजतन लंबे समय तक यह पुराने ढंग से चलता रहा, जिसमें कोई सुधार न हुआ। 1970 के दशक के बाद गठित विभिन्न समितियों ने इनमें व्यापक सुधार की सिफारिश की, जिनमें से कुछ को लागू किया गया। बाद में अप्रत्यक्ष कर में कई बदलाव हुए, जो अंततः 2005 में मूल्य वर्द्धित कर (वैट) के रूप में सामने आए। जीएसटी उसी वैट प्रणाली का विस्तार है। जीएसटी में तकनीक का भी व्यापक उपयोग किया गया है। पूरा जीएसटी नेटवर्क इस पर निर्भर है। ई-वे बिल इस तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, क्योंकि यह वस्तुओं की आवाजाही को कर प्रशासन की नजर में रखता है। इसके अलावा ये बिल आपूर्तिकर्ताओं के जीएसटी रिटर्न में स्वतः शामिल हो जाते है, जिन्हें पहले मैनुअली जांचना पड़ता था। चूंकि अब सब कुछ ऑनलाइन है, तथा ई-वे बिल का प्रारूप पूरे देश में एक जैसा है, इसलिए पारगमन दस्तावेजों की जांच में लगने वाला समय घट जाता है तथा विभिन्न राज्यों में अलग-अलग प्रक्रियाओं से पैदा होने वाली उलझन भी खत्म हो जाती है। जीएसटी का एक लाभ यह भी है कि इससे क्षेत्रीय असमानताएं धीरे-धीरे कम हो रही हैं। चूंकि पहले ज्यादातर कर उत्पादन के आधार पर थे, इसलिए कर राजस्व का ज्यादा हिस्सा उत्पादक राज्यों द्वारा अर्जित किया जाता था। अब चूंकि जीएसटी गंतव्य पर आधारित है, इसलिए कर राजस्व उन राज्यों को मिलता है, जहां उपभोग होता है। इससे उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश जैसे गरीब, उपभोक्ता राज्यों को मदद मिलती है। हालांकि जिन राज्यों को इससे राजस्व में हानि की आशंका थी, उन्हें केंद्र सरकार ने पांच साल तक मुआवजा दिया। मुआवजा बंद करने के बाद भी राज्यों के राजस्व में कोई बड़ी कमी नहीं हुई। मतलब जीएसटी राजस्व राज्यों में सुव्यवस्थित हो गया है। हालांकि, भारतीय जीएसटी एक ऐसा मॉडल है, जो इतने बड़े कर सुधार की जटिलताओं और उनके बाद के समाधान को दर्शाता है। फिर भी कर ढांचे के कुछ पहलू जीएसटी की सरलता के वादों के विपरीत हैं। इसलिए, कई मामलों में परिणाम अपेक्षा से कम रहे हैं। जीएसटी, कर दरों और विभिन्न छूटों से संबंधित नियम अब भी बदल रहे हैं, जिससे पिछले सात वर्षों में जीएसटी के प्रदर्शन का समग्र आकलन करना कठिन है। फिर भी शुरुआती आंकड़ों से कुछ निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं। हालांकि जीएसटी ज्यादा व्यवसायों को कर के दायरे में लाने में सफल रहा है, लेकिन उन्हें करों का भुगतान करने के लिए बाध्य करने का काम अब भी बाकी है। जीएसटी से कर प्रशासन पर दबाव बढ़ा है, क्योंकि छोटे व्यवसायी कुल पंजीकृत लोगों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, फिर भी उनका वास्तविक कर योगदान अपेक्षाकृत नगण्य है। तर्क दिया जाता है कि इन करदाताओं को छोड़ दिया जाए, प्रशासन को उच्च बोझ से राहत दिलाई जाए और बड़े करदाताओं को बेहतर सुविधा देने पर ध्यान केंद्रित किया जाए। इसके लिए पंजीकरण सीमा को सावधानीपूर्वक निर्धारित करने की जरूरत है, ताकि अधिक लोग इसमें शामिल न हों। अन्य विशेषता यह है कि छोटे व्यवसायों का कर अनुपालन बढ़ा है। लेकिन शोध से पता चला है कि छोटी कंपनियों को अपने परिचालन में?ज्यादा अनुपालन लागतों का सामना करना पड़ता है। हालांकि छोटी कंपनियों के लिए कंपोजिशन स्कीम (जिसमें छोटे व्यवसायी नियमित जीएसटी दरों के बजाय निश्चित कर दरों का विकल्प चुन सकते हैं।) लाया गया है।

टैक्स छूट से बढ़ेगी खरीदारी-खपत जीडीपी में तेजी का कारण बनेगी रियायत

मध्यवर्ग को दी गई टैक्स छूट खरीदारी की शक्ल में बाजारों में आएगी और फिर खपत बढ़ेगी, जो जीडीपी में तेजी का कारण बनेगी। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण एक बार फिर बजट पेश करने की तैयारी में हैं। लोकसभा चुनाव से पूर्व उन्होंने जो अंतरिम बजट पेश किया था, वह भले ही संतुलित बजट था, लेकिन उसमें मध्यवर्ग को कोई राहत नहीं दी गई थी। अब जब वह पूर्ण बजट पेश करने वाली हैं, तो लोगों, खासकर मध्यवर्ग की उनसे उम्मीदें बढ़ गई हैं, क्योंकि फिलहाल वह राहत देने की स्थिति में हैं। यह मध्यवर्ग ही है, जो बड़े पैमाने पर खरीदारी करके अर्थव्यवस्था की रफ्तार बनाए रखने में मदद करता है। वित्तमंत्री ने स्वयं स्वीकार किया है कि देश में बढ़ती खपत के कारण ही जीडीपी में तेजी दिख रही है। उन्होंने माना कि खपत बढ़ने से कारखानों की भी रफ्तार बढ़ जाती है, जिससे रोजगार बढ़ता है, जो अंततः लोगों की क्रयशक्ति बढ़ाकर खपत को बढ़ावा देता है। आज भारत का ऑटोमोबाइल उद्योग भी इसी वर्ग के बूते फल-फूल रहा है। यही नहीं, देश का उच्च मध्यवर्ग लग्जरी आइटमों की खरीदारी करके भारी टैक्स भी दे रहा है। वह अच्छी शिक्षा पाने के लिए अपने बच्चों को?विदेशी कॉलेज-यूनिवर्सिटी में भेजता है और भारतीय बैंकों को मोटा ब्याज देकर मालामाल करता है। मध्यवर्ग का भारतीय अर्थव्यवस्था में योगदान उल्लेखनीय है, इसलिए वह सरकार से कुछ प्रोत्साहन की उम्मीद रखता है। इस बार सरकार की उम्मीदों से कहीं ज्यादा टैक्स की वसूली हुई है। प्रत्यक्ष और परोक्ष करों में आशातीत बढ़ोतरी हुई है। जीएसटी वसूली बढ़कर हर महीने औसतन पौने दो लाख करोड़ रुपये तक जा पहुंची है। दूसरी ओर आयकर में वसूली भी बढ़ गई है। यानी सरकार के पास राहत देने के लिए काफी गुंजाइश है। वित्तमंत्री चाहें, तो आयकर दरों में कटौती कर सकती है, जिसकी मांग लंबे समय से हो रही है। मध्यवर्ग और निम्न-मध्यवर्ग के समक्ष आयकर एक बड़ी बाधा है, जो उसकी खर्च करने की क्षमता को सीमित कर रहा है। देश में महंगाई बढ़ने से लोगों को घर चलाने में दिक्कतें आ रही हैं। जनता की मांग है कि पुरानी आयकर दर को घटाकर 5 से 20 फीसदी कर दिया जाए, क्योंकि आयकर देने वाला जीएसटी भी दे रहा है। कुछ मामलों में तो करदाता कुल मिलाकर 50 फीसदी टैक्स दे रहा है। फिर भी उसे अपने बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा या मुफ्त स्वास्थ्य सेवा नहीं मिल रही है। टैक्स में कटौती करने से उनकी खपत करने की ताकत?भी बढ़ेगी। कुछ कारोबारियों का सुझाव है कि सभी प्रकार के टैक्स हटाकर एक देश-एक टैक्स की व्यवस्था करनी चाहिए। यानी बैंक लेन-देन कर प्रणाली लागू करनी चाहिए, ताकि कर अनुपालन में लगने वाले समय को बचाकर उसे कारोबार में लगाया जा सके। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि वित्तमंत्री 80सी की सीमा बढ़ाएं। वर्ष 2014 में तत्कालीन वित्तमंत्री अरुण जेटली ने इसे बढ़ाकर 1.50 लाख रुपये कर दिया था, जिससे करदाताओं को फायदा हुआ था। पिछले दस साल में महंगाई इतनी बढ़ गई कि अब इसका भी ज्यादा फायदा नहीं हो पा रहा है। इसलिए 80सी की सीमा को बढ़ाकर दो लाख रुपये कर देना चाहिए। गौरतलब है कि 80 सी में लगाया गया धन सरकार के भी काम आता है। लोग पीपीएफ, एनएससी वगैरह में जो निवेश करते है, उसे सरकार अपने काम में लगाती है। सरकार को 80 डी की सीमा में भी बढ़ोतरी करनी चाहिए। यह मेडिकल खर्च से जुड़ा हुआ है, जिसकी सीमा लंबे समय से नहीं बढ़ी है, जबकि चिकित्सा लागत में काफी बढ़ोतरी हुई है। साथ ही चिकित्सा बीमा पर लगने वाले 18 फीसदी जीएसटी को भी कम करना चाहिए, क्योंकि बीमा कंपनियों ने अपने प्रीमियम अनाप-शनाप तरीके से बढ़ा दिए हैं। इस वजह से लाखों लोग बीच में ही स्वास्थ्य बीमा छोड़ देते हैं। बीमा को लोकप्रिय बनाने के लिए जरूरी है कि उसकी प्रीमियम पर टैक्स घटे। इससे बड़े पैमाने पर रोजगार भी सृजित होगा। अभी सरकार का खजाना भरा हुआ है और आने वाले समय में इसमें कुछ और बढ़ोतरी होगी। इसलिए वित्तमंत्री लोगों की मांगें पूरी कर सकती हैं। इतिहास गवाह है कि टैक्स दर घटाने से टैक्स वसूली नहीं घटती। जीडीपी बढ़ाने के लिए यह जरूरी है, क्योंकि मध्यवर्ग को दी गई टैक्स छूट, खरीदारी की शक्ल में बाजारों में आएगी और फिर खपत बढ़ेगी, जो जीडीपी में तेजी का कारण बनेगी।

पेरिस ओलंपिक से पहले फ्रांस के चुनाव नतीजों ने पैदा किया गतिरोध

पेरिस ओलंपिक से ठीक पहले फ्रांस में चुनावी नतीजों ने एक गतिरोध तो पैदा कर ही दिया है। चूंकि वहां राष्ट्रपति शासन प्रणाली के कारण गठबंधन की कोई संस्कृति नहीं है। ऐसे में, मैक्रों को अब भिन्न विचारों वाले दलों के बीच व्यापक सहमति वाले एजेंडे पर श्रमसाध्य बातचीत की बारीकियों को समझना होगा। सोमवार की सुबह फ्रांस दक्षिणपंथियों के प्रभुत्व वाले देश के रूप में नहीं, बल्कि इटली की तरह एक ऐसे देश के रूप में जगा, जहां मुश्किल जोड़-तो?ड़ के जरिये ही सही, आखिरकार एक व्यावहारिक गठबंधन सरकार बन सकती है। फ्रांस ने संसदीय चुनाव में मरीन ली पेन की प्रवासन-विरोधी पार्टी नेशनल रैली को नकार दिया है, जो राष्ट्रवादी कारनामों के प्रति उनके गहरे प्रतिरोध का एक और प्रदर्शन था। फ्रांस की जनता ने अपनी पहली पसंद के रूप में फिर से उठ खड़े हुए वामपंथ को चुना जरूर है, लेकिन वह भी सरकार बनाने से काफी दूर है। इन स्थितियों ने मैक्रों को मजबूर कर दिया है कि वे सर्वशक्तिमान राष्ट्रपति के बजाय संसद की भी सुनें। पेरिस ओलंपिक का बिगुल बजने में अब तीन हफ्ते से भी कम समय बचा है। अगस्त में समुद्र तटों या पहाड़ों पर जाना फ्रेंच जीवन-शैली की पहचान है। ऐसे में, यही लगता है कि सरकार के गठन की बातचीत शरद ऋतु तक खिंच सकती है, जब फ्रांस को बजट पारित करने के लिए सरकार की जरूरत होगी। फिलहाल फ्रांस में चुनाव के नतीजों ने एक गतिरोध तो पैदा कर ही दिया है। एक उभरता हुआ और विवादास्पद वामपंथी गठबंधन न्यू पॉपुलर फ्रंट नेशनल असेंबली में 180 सीटें जीतकर पहले स्थान पर है। उसने तुरंत ही मांग की कि राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों को उसे सरकार बनाने के लिए बुलाना चाहिए। साथ ही उसने यह भी कहा है कि वह अगले हफ्ते अपने पसंदीदा प्रधानमंत्री का नाम सामने रखेगा। संविधान के अनुसार, मैक्रों ही प्रधानमंत्री का चुनाव करेंगे। 577 सदस्यीय नेशनल असेंबली में न्यू पॉपुलर फ्रंट को बहुमत से करीब 100 सीटें कम हैं। उसकी जीत के पीछे सिर्फ वामपंथी गठबंधन नहीं था, बल्कि दूसरे चरण के मतदान में मध्यमार्गियों और वामपंथियों द्वारा नेशनल रैली के खिलाफ 'रिपब्लिकन मोर्चा' बनाने के निर्णय का असर भी दिखा था। इसके बावजूद, जुझारू वामपंथी नेता जीन-ल्यूक मेलेनचॉन ने कहा है कि वह संभावित गठबंधन सहयोगियों से बातचीत नहीं करेंगे, न ही वामपंथी कार्यक्रम में जरा भी बदलाव करेंगे। फ्रांस में राष्ट्रपति शासन प्रणाली के कारण गठबंधन बनाने संबंधी समझौते की कोई संस्कृति नहीं है। मैक्रों को अब राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर भिन्न विचारों वाले दलों के बीच व्यापक रूप से सहमत एजेंडे पर श्रमसाध्य बातचीत की बारीकियों को समझना होगा। उदाहरण के लिए, न्यू पॉपुलर फ्रंट सेवानिवृत्ति की उम्र को 64 से घटाकर 60 करना चाहता है, जबकि एक साल पहले ही मैक्रों ने काफी संघर्ष के बाद इसे 62 से बढ़ाकर 64 कर दिया था। मैक्रों बजट घाटे को कम करने को प्राथमिकता देना चाहते हैं, जबकि न्यू पॉपुलर फ्रंट न्यूनतम वेतन बढ़ाना चाहता है और ऊर्जा व गैस की कीमतों को स्थिर रखना चाहता है। मैक्रों की सरकार ने इस साल की शुरुआत में एक आव्रजन विधेयक पारित किया था, जिसके तहत विदेशियों को फ्रांस में काम करने, रहने और पढ़ने की अनुमति देने वाले नियमों को सख्त बनाया गया था। जबकि, वामपंथियों ने शरण प्रक्रिया को और अधिक उदार बनाने का संकल्प लिया है। नेशनल असेंबली का तीन बड़े गुटों-वामपंथी, मध्यमार्गी और दक्षिणपंथी-में विभाजन, किसी व्यावहारिक गठबंधन के लिए तत्काल कोई आधार प्रदान नहीं करता। मैक्रों के मध्यमार्गी गुट के पास लगभग 160 सांसद हैं, जो पहले 250 थे, तथा नेशनल रैली और उसके सहयोगियों के पास लगभग 140 सांसद है, जो पहले 89 थे। फ्रांस ने एक बार फिर अति दक्षिणपंथियों को सत्ता से दूर रखा, लेकिन आव्रजन और जीवन-यापन की बढ़ती लागत के प्रति गुस्से के कारण दक्षिणपंथियों को सिरे से खारिज भी नहीं किया है।

विवादः चीन तो चीन ही है, स्थायी समाधान के लिए जरूरी है अंतरराष्ट्रीय सीमा का निर्धारण

1958 में पं. नेहरू ने सेना के लिए संसाधनों की मांग को उस पंचशील समझौते की आड़ में ठुकरा दिया, जिसे चीन ने कभी नहीं माना। कजाकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक के दौरान भारत के विदेश?मंत्री एस. जयशंकर ने चीनी विदेश मंत्री वांग यी से कहा कि भारत और चीन के बीच में स्थायी शांति के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा का सम्मान सबसे पहले जरूरी है। वर्ष 2020 में चीनी सैनिकों की घुसपैठ के बाद से ही पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है। टकराव बढ़ने पर युद्ध भी हो सकता है। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश पढ़ा गया, जिसमें कहा गया कि सभी देशों को एक-दूसरे के क्षेत्र की संप्रभुता की रक्षा करनी चाहिए। उनका इशारा चीन की तरफ था, जिसने 1955 से भारत का पूरा अक्साई चिन क्षेत्र अपने कब्जे में ले रखा है। भारत और चीन के बीच हुए 2010 के समझौते में साफ लिखा है कि दोनों देश एक-दूसरे की संप्रभुता का आदर करेंगे, लेकिन चीन की करनी और कथनी में बहुत अंतर है। एस. जयशंकर ने भारत-चीन सीमा विवाद सुलझाने को अपनी प्राथमिकताओं में शीर्ष पर रखा है। भारत और चीन के बीच तनाव का मुख्य कारण अंतरराष्ट्रीय सीमा का निर्धारण नहीं होना है। 1916 में सीमा निर्धारण के लिए ब्रिटिश भारत, तिब्बत और चीन के बीच एक बैठक शिमला में हुई थी। भारत और तिब्बत के बीच सीमा निर्धारण हो गया था, जिसे मैकमोहन रेखा का नाम दिया गया था। हालांकि चीन सीमा निर्धारण पर सहमत नहीं हुआ था, उसने भारत-तिब्बत सीमा को भी अब तक मान्यता नहीं दी है। इसी कारण लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक सीमा को चीन विवादित मानता है। चीन के साथ विवाद सुलझाने के लिए जयशंकर को अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल परनाइक, जो सेना की उत्तरी कमान के जीओओ सीएनसी रह चुके हैं, के विचारों पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने हाल ही में कहा था कि चीन के साथ भारत के सीमा संबंधी समझौतों में समय और परिस्थितियों के अनुसार बदलाव की जरूरत है। अन्यथा चीन बार-बार सीमा उल्लंघन करता रहेगा और गलवान जैसी झड़पें होती रहेंगी। चीन 1951 से ही भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ कर रहा है। 1951 में तिब्बत पर कब्जा करने के बाद चीन ने एक सड़क जी-21 का निर्माण किया। इसका काफी हिस्सा लद्दाख के अक्साई चिन से होकर गुजरता है। इसकी सूचना भारत सरकार को 1954 में मिल गई थी, लेकिन इसे सार्वजनिक नहीं किया गया। इसके बाद भी 1954 में पं. जवाहरलाल नेहरू ने चीन के साथ पंचशील समझौता किया, जिसका नारा था हिंदी चीनी भाई-भाई। भारत सरकार इस समझौते का पालन करती रही, लेकिन चीन ने इसे कभी नहीं माना। 1962 में चीन ने अचानक भारत पर हमला कर दिया, जिसके कारण चीन की सेना अक्साई चिन से आगे भारतीय क्षेत्र में आ गई। चीनी घुसपैठ को देखते हुए 1958 में तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल थिमैया ने पं. नेहरू से सेना की तैयारी के लिए संसाधनों की मांग की, जिसे उन्होंने पंचशील समझौते की आड़ में ठुकरा दिया। देश की रक्षा के प्रति नेहरू के इस रवैये को देखते हुए जनरल थिमैया ने इस्तीफा दे दिया था। फिर चीन ने 1967 में सिक्किम पर कब्जा करने के लिए नाथुला पर हमला कर दिया, लेकिन उस समय मेजर जनरल संगत सिंह ने अदम्य साहस से चीनियों को पीछे धकेल दिया। हालांकि इसके लिए उन्हें दिल्ली से सहमति नहीं मिली थी। वर्ष 1996 में सीमा पर शांति के लिए दोनों देशों के बीच समझौता हुआ कि सैनिक सीमाओं के बीच में नोमैंस लैंड पर बिना हथियारों के रहेंगे, लेकिन चीन ने इस समझौते की शर्तों को नकारते हुए गलवान में भारतीय सैनिकों पर कंटीले तार लगे हुए लाठी-डंडों से हमला किया। पड़ोसी के साथ शांति पूर्वक रहने के सिद्धांत को धता बताकर चीन ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों-मणिपुर, नगालैंड इत्यादि में आतंकवादी संगठनों को तैयार किया। हालांकि सेना ने उनका सफाया कर दिया। चीन की नजर अरुणाचल प्रदेश पर है। यदि चीन के साथ स्थायी शांति स्थापित करनी है, तो सबसे पहले अंतरराष्ट्रीय सीमा का निर्धारण करना होगा। संयुक्त राष्ट्र को भी सीमा निर्धारण की बातचीत में सम्मिलित किया जाना चाहिए।

अल्पसंख्यकों के बीच असुरक्षा की भावना चिंताजनक, अल्पसंख्यक आयोग का गठन आशावादी पहल

मुल्क विभाजन के वक्त पाकिस्तान की आबादी का 23 फीसदी हिस्सा अल्पसंख्यक यानी गैर-मुस्लिम था। अफसोसनाक बात है कि आज यह आंकड़ा घटकर तीन से चार फीसदी मात्र रह गया है। ऐसे में गिनी-चुनी जगहों पर कुछ अल्पसंख्यकों का पहुंचना?पाकिस्तान को सहिष्णु और पूर्ण समावेशी बनाने के लिए काफी नहीं।यह महिलाओं के एक समूह की सच्ची दास्तां है, जिसने एक बेहद जरूरी छुट्टी पर जाने का फैसला किया। लेकिन छुट्टी पर समूह में जाने की एक शर्त थी, जिस पर यात्रा से पहले सबको सहमत होना था। शर्त यह थी कि यह छुट्टी फोन मुक्त होगी। किसी को भी मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं थी। यदि कोई तस्वीरें लेना चाहती है, तो उसे अपने साथ पारंपरिक कैमरा लेकर जाना होगा या वे डिस्पोजेबल कैमरा से फोटो ले सकती हैं, जो अब बेहद आम है। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि जिन महिलाओं को अपने मोबाइल फोन की लत थी, उन्हें बातचीत की कला सीखनी पड़ी? वास्तव में उन्हें एक-दूसरे से बातचीत करनी पड़ी और हमेशा एक्स (ट्विटर) या इंस्टाग्राम पर संदेश भेजने से वंचित रहना पड़ा। ऐसा करना सबके लिए आसान नहीं होता, क्योंकि लोगों को मोबाइल फोन की इतनी ज्यादा लत लग गई है कि वे रात में अपने बिस्तर के बगल में टेबल पर फोन रखते हैं। क्या किसी को याद है कि कैसे दशकों पहले जब लोग विदेश में छुट्टियां मनाने जाते थे और घर पर दोस्तों व परिवार के साथ संपर्क में रहने का एकमात्र तरीका रंगीन पोस्टकार्ड भेजना था या कोई अपने वतन में किसी से बात करना चाहता था, तो उसे होटल से लैंडलाइन या बाहर किसी सार्वजनिक टेलीफोन बूथ से कॉल बुक करनी पड़ती थी? यह निश्चित रूप से एक अलग दुनिया लगती है। लेकिन आज जब आप छुट्टियों पर रहते हैं, तब भी?किसी चीज से वंचित नहीं रहते, क्योंकि मोबाइल फोन और ऑनलाइन खबरें आपको दुनिया में हो रही हर हलचल से वाकिफ रखती हैं। आपसे कुछ भी नहीं छूटता है। इसके अलावा टेलीविजन सेट तक आसान पहुंच यह भी सुनिश्चित करती है कि आप वास्तविक दुनिया से कटे न रहें और हर गतिविधि की अद्यतन जानकारी आपको मिलती रहे। खैर, मैं एक बेहतरीन खबर के साथ लौटी हूं, जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। पाकिस्तान के इतिहास में पहली बार एक गैर-मुस्लिम (वास्तव में ईसाई) व्यक्ति?मुल्क के विशेष सेवा समूह में बहुत वरिष्ठ पद तक पहुंचा है। अमर उजाला के अपने पाठकों को बता दूं कि मुल्क विभाजन के वक्त पाकिस्तान की आबादी का 23 फीसदी हिस्सा अल्पसंख्यक यानी गैर-मुस्लिम था। अफसोसनाक बात है कि आज यह आंकड़ा घटकर तीन से चार फीसदी मात्र रह गया है। विभाजन के बाद बड़ी संख्या में हिंदू और सिख पलायन करके पाकिस्तान से भारत चले गए। आज पाकिस्तान में बचे अल्पसंख्यकों में हिंदू, सिख, ईसाई, पारसी, बौद्ध, अहमदिया, बहाई और अन्य शामिल हैं। पाकिस्तान ने अंतर-धार्मिक सद्भाव बनाने के लिए एक राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग गठित किया है। इसलिए जब मेजर जनरल जुलियन जेम्स सेना के विशेष सेवा समूह में दो-सितारा जनरल का पद हासिल करने वाले पहले गैर-मुस्लिम बने, तो इसे एक बड़ी उपलब्धि माना गया। उनकी पदोनन्नति के बाद एक टिप्पणी में कहा गया, 'सरकारी हलकों में महत्वपूर्ण माना जाने वाला यह मील का पत्थर न केवल मेजर जनरल जेम्स के लिए व्यक्तिगत जीत का प्रतीक है, बल्कि जाति और पंथ से परे प्रदर्शन और योग्यता को पुरस्कृत करने की सशस्त्र बलों की प्रतिबद्धता का भी उदाहरण है।' ऐसी घटनाएं अक्सर नकारात्मक आख्यानों को चुनौती देती हैं और ज्यादा आशावादी नजरिया पेश करती हैं। ऐतिहासिक रूप से, धार्मिक असहिष्णुता से प्रेरित घटनाओं ने पाकिस्तान के अल्पसंख्यक समुदायों के बीच असुरक्षा की भावना को बढ़ाया है-एक ऐसी भावना, जो मुल्क के विभिन्न हिस्सों में हाल ही में हुई मजहबी हिंसा की घटनाओं से और भी ज्यादा तेज हो गई है। हालांकि, मेजर जनरल जेम्स की पदोनन्नति इस विपरीत धारणा को सार्वजनिक रूप से पुष्ट करती है कि सैन्य और सरकारी सेवाओं में अल्पसंख्यक समूहों के प्रति पूर्ण स्वीकृति, समावेशन और न्यायसंगत व्यवहार होता है। इससे पहले एक और उल्लेखनीय उपलब्धि तब देखने को मिली थी, जब डॉ. हेलेन मैरी रॉबर्ट्स मेडिकल कोर में ब्रिगेडियर बनने वाली पहली ईसाई महिला बनीं। डॉ. रॉबर्ट्स की सफलता पूरे पाकिस्तान में महिलाओं को प्रेरित करती है, खासकर ईसाई समुदाय की महिलाओं को। आर्मी मेडिकल कोर से जुड़ी ब्रिगेडियर डॉ. हेलन की पदोनन्नति ने भी व्यवस्था में गहरी जड़ जमाए बैठी?रूढ़ियों को तो?ड़ा?है और महिलाओं एवं अल्पसंख्यकों के उच्च पदों तक पहुंचने की क्षमता को दर्शाया है। निश्चित रूप से उनकी सफलता लड़कियों एवं अल्पसंख्यक समुदायों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। अब बड़ी संख्या में पाकिस्तानी सेना में हिंदू और सिख समुदायों के लोग शामिल हो रहे है और तथ्य यह है कि वे शिक्षा हासिल करना चाहते हैं और सेना उन्हें प्रोत्साहित कर रही है मुझे याद है कि सबसे पहले मैंने ही हिंदू अधिकारी डॉ. कैलाश कुमार का इंटरव्यू लिया था, जब उन्हें लेफ्टिनेंट कर्नल के पद पर प्रोनन्त किया गया था। जब मुझे उनका इंटरव्यू लेने का मौका मिला, तब वह काकुल सैन्य एकेडमी से पास ही हुए थे। लेकिन सबसे दिलचस्प इंटरव्यू पाकिस्तानी सेना में शामिल होने वाले पहले सिख अधिकारी का था। वह सिख अधिकारी हैं हरचरण सिंह, जो पाकिस्तानी सेना में मेजर के पद पर कार्यरत हैं। लेकिन दिलचस्प तथ्य यह भी है कि पाकिस्तान के संविधान के मुताबिक मुल्क का प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति बनने के लिए मुसलमान होना जरूरी है। पाकिस्तान में गैर-मुस्लिम प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति जैसे सर्वोच्च पदों पर कभी आसीन?नहीं हो सकते। अच्छी बात है कि पाकिस्तानी सेना में शामिल होने के लिए इस तरह के नियम व विनियम आवश्यक नहीं हैं। किसी गैर-मुस्लिम के सेना प्रमुख बनने पर सांविधानिक रोक नहीं है, कम से कम इस मामले में पाकिस्तानी सेना सहिष्णु और लोकतांत्रिक है, हालांकि तथ्य यह भी है कि मुल्क में अब तक कोई गैर-मुस्लिम सेना प्रमुख नहीं बना है।

बॉलीवुड/टेली मसाला

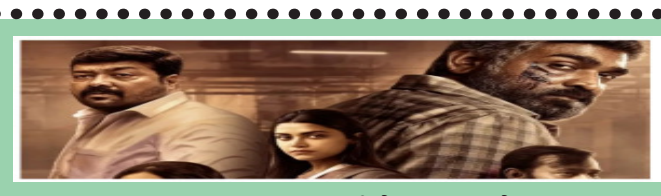

बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई के बाद ओटीटी पर भी धमाल मचाएगी 'महाराजा'

विदेशी मेहमानों का इंडिया में शान-ओ शौकत से हुआ स्वागत, किम की तस्वीरें वायरल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी इस वक्त काफी चर्चा में हैं। धूमधाम से प्री-मेहमान इस खास अवसर के लिए भारत आए हैं। अमेरिकन मीडिया पर्सनालिटी किम कार्दशियन छोटी बहन ख्लो के साथ पहली बार भारत से मिल रहे सम्मान से किम और ख्लो काफी खुश हुए और उन्होंने भी सबको नमस्कार किया। किम कार्दशियन और उनकी बहन के

वेडिंग फंक्शन के बाद अब ये कपल जल्द ही एक-दूसरे के साथ सात फेरे लेने वाला है। दोनों के सभी फंक्शन्स की वीडियोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। दुनिया के सबसे बड़े बिजनेस टायकून में से एक मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी अपनी मंगेतर राधिका मर्चेंट के साथ आज सात-फेरे लेंगे। उनकी ग्रैंड वेडिंग में शामिल होने के लिए कई विदेशी मेहमान आए। हाल ही में अमेरिकन सोशलिस्ट और उनकी बहन का एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें उनका रॉयल तरीके से स्वागत किया जा रहा है। बिजनेसमैन मुकेश अंबानी के बेटे की ग्रैंड शादी में शामिल होने के लिए सिर्फ इंडिया की बड़ी-बड़ी हस्तियां ही नहीं आई, बल्कि विदेशों से भी कई खास आई हैं। इंडिया में उनका अंबानी परिवार ने बिल्कुल रॉयल अंदाज में स्वागत किया है। अनंत अंबानी-राधिका मर्चेंट की ग्रैंड वेडिंग में शामिल होने के लिए बीती रात किम कार्दशियन इंडिया आई, जहां उन्हें मुंबई के कलीना एयरपोर्ट पर पैपराजी ने अपने कैमरे में कैप्चर किया। एयरपोर्ट से दोनों बहनें मुंबई के ताज होटल में पहुंचीं, जहां इन दोनों का भव्य स्वागत किया गया। किम-ख्लो का एक वीडियो तेजी से इंटरनेट पर वायरल हो रहा है।इस वीडियो में देखा जा सकता है कि होटल में एंट्री करते ही दोनों की इंडियन कल्चर के मुताबिक सबसे पहले आरती उतारी गयी और उसके बाद उनका तिलक किया गया। किम को एक होटल के एक स्टाफ मेंबर ने शॉल पहनाई और बुके दिए। लोगों साथ एक फैन को होटल के अंदर फोटो खिंचवाने का भी मौका मिला। आपको बता दें कि किम और ख्लो के अलावा देश से विदेश तक धूम मचाने वालीं देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा भी पति निक जोनस के साथ कुछ दिनों के लिए इंडिया आ चुकी हैं। इनके अलावा सैमसंग इलेक्ट्रिक के चेयरमेन ली जाए-योंग, यूके के पूर्व प्राइम मिनिस्टर बोरिस जॉनसन, एक्टर जॉन सीना सहित कई विदेशी मेहमान इस शानदार वेडिंग के साक्षी बनेंगे। अनंत-राधिका की शादी का कार्यक्रम काफी समय से चल रहा है। मेहंदी-हल्दी और संगीत के बाद वह अब 12 जुलाई को शादी के बंधन में बंधेंगे और उनकी शादी का कार्यक्रम 14 जुलाई तक चलने वाला है।

क्या सरफिरा साबित होगी अक्षय कुमार के डूबते करियर के लिए पतवार राधिका मदान की भी हो रही तारीफ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।अक्षय कुमार की फिल्म सरफिरा सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में आपको परेश रावल और राधिका मदान भी नजर आएंगे। इसके अलावा फिल्म में सुपरस्टार सूर्या का कैमियो भी है। 'सरफिरा' 2020 में आई तमिल फिल्म सोरारई पोटरू की ऑफिशियल रीमेक है। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के प्रिव्यू के बाद परिवार और दोस्तों के लिए दिल्ली में फिल्म की स्क्रीनिंग रखी गई थी जहां दर्शकों से इसे काफी पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिल रहे हैं। मूवी में लोग राधिका मदान की एक्टिंग की भी काफी ज्यादा तारीफ कर रहे हैं। अक्षय कुमार की इस साल की दूसरी फिल्म सरफिरा सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। यह फिल्म एक्टर के करियर के लिए अहम फिल्म मानी जा रही है। इससे पहले टाइगर श्रॉफ के साथ आई बड़े मियां छोटे मियां कुछ खास नहीं कर पाई थी। फैंस को इसलिए भी सरफिरा से कुछ ज्यादा ही उम्मीद है। फिलहाल सोशल मीडिया पर फिल्म को पॉजिटिव रिव्यू मिल रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, ठमाइंडलेस एक्शन फिल्मों की दुनिया में सरफिरा ताजी हवा का झोंका है। जस्ट वॉच इट। बहुत अच्छा। क्ष्अक्षय कुमार इज बैक । ब्लॉकबस्टर क्ष्सरफिरा अवश्य जाएं और देखेंठ। एक अन्य यूजर ने लिखा, ठक्ष्सरफिरा सरप्राइज क्ष्अक्षयकुमार हिट लोडिंग। अक्षयकुमार ने खूबसूरती से अभिनय और प्रदर्शन किया क्ष्सरफिरा।ठक्ष्परेश रावल भी अपनी भूमिका में अच्छे लग रहे हैं। हर अभिनेता ने अच्छा काम किया लेकिन क्ष्सूर्या कैमियो ने शो चुरा लिया। कुल मिलाकर, फिल्म काफी अच्छी है। एक दूसरे यूजर ने लिखा, ठसरफिरा को बहुत ही पॉजिटिव रिएक्शन मिल रहे हैं। इस फिल्म में खिलाड़ी कुमार की परफॉर्मेंस को काफी पसंद किया जा रहा है। लोग इसे खिलाड़ी कुमार का कमबैक बता रहे हैं।ने अपनी फिल्म क्ष्ऍ में मेन वर्जन के हीरो सूर्या को भी ओवरशैडो कर दिया है। इमोशन्स जो अक्षय कुमार लेकर आए है वह सूर्या नहीं कर पाए। काफी दिनों बाद अक्षय कुमार अपनी एक्टिंग से रुलाते नजर आएंगे। जरूर देखे..ने अपनी फिल्म क्ष्ऍ में मेन वर्जन के हीरो सूर्या को भी ओवरशैडो कर दिया है। इमोशन्स जो अक्षय कुमार लेकर आए है वह सूर्या नहीं कर पाए। काफी दिनों बाद अक्षय कुमार अपनी एक्टिंग से रुलाते नजर आएंगे। जरूर देखे..सरफिर को सुधा कोंगरा ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में अक्षय कुमार का किरदार एक ऐसे व्यक्ति का है जो समाज के खिलाफ अपनी लड़ाई लड़ता है और अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार है। यह किरदार उनकी पिछली फिल्मों से काफी अलग है और दर्शकों को नया एक्सपीरियंस दे सकता है।

हार्दिक पांड्या की प्राची सोलंकी के साथ वायरल हुई तस्वीरें, फैंस बोले - नई भाभी मिल गई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। क्रिकेटर हार्दिक पांड्या इन दिनों अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर चर्चा में बन हुए हैं। काफी समय से ये खबर आ रही है कि नताशा और उनके बीच कुछ अनबन चल रही है और दोनों अलग होने वाले हैं। इन सभी अफवाहों के बीच हार्दिक पांड्या के मिस्ट्री गर्ल के साथ कुछ फोटोज वायरल हो रहे हैं जिसने फैंस के दिलों की धड़कनों को और भी बढ़ा दिया है। काफी समय से हार्दिक पांड्या और नताशा स्टेनकोविक के तलाक की खबरें आ रही थीं। अब इस बीच क्रिकेटर के एक मिस्ट्री गर्ल के साथ कुछ फोटोज वायरल हो रहे हैं जिन्होंने आग में घी का काम किया है। वायरल हो रही तस्वीर में हार्दिक उस लड़की के काफी क्लोज नजर आ रहे हैं। वहीं फैंस भी इस पर तरह-तरह के कमेंट्स कर रहे हैं। फैंस ये कयास लगा रहे हैं कि आखिर हार्दिक के साथ ये लड़की कौन है? वायरल वीडियो में हार्दिक को लड़की का हाथ पकड़े भी देखा जा सकता है। मिस्ट्री गर्ल का नाम प्राची सोलंकी है और तस्वीर में दोनों एक दूसरे के काफी क्लोज नजर आए। हार्दिक ने प्राची के कंधे पर हाथ रखा हुआ है और वो काफी ज्यादा ब्लश कर रही हैं। बता दें कि प्राची की पहुंच सिर्फ यहीं तक नहीं है। उन्होंने हार्दिक के भाई क्रुणाल पांड्या और भाभी पंखुड़ी शर्मा के साथ भी फोटोज शेयर की हैं। प्राची ने हार्दिक संग फोटो शेयर करते हुए कैप्शन लिखा,'फैन गर्ल मोमेंट।'उनके इस पोस्ट पर यूजर्स 'नई भाभी' लिखकर कमेंट कर रहे हैं।दरअसल प्राची सोलंकी पेशे से एक मेकअप आर्टिस्ट हैं और प्राची सोलंकी मेकओवर्स के नाम से एक पेज भी चलाती हैं। प्राची सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। उनके इंस्टाग्राम पर 5 लाख से अधिक फॉलोवर्स हैं और वो खुद को डिजिटल क्रिएटर भी बताती हैं।

प्रभास की कल्कि के निशाने पर आई रणबीर की फिल्म, एक और नए रिकॉर्ड की तैयारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्रभास-दीपिका पादुकोण की फिल्म 'कल्कि-2898 एडी' इस वक्त बॉक्स ऑफिस पर गदर मचा रही है। नाग अश्विन के निर्देशन में बनी साई-फाई फिल्म साल 2024 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मूवी बन चुकी है। इस मूवी ने देखते ही देखते घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया था। प्रभास-अमिताभ बच्चन स्टारर फिल्म कल्कि 2898 एडी बॉक्स ऑफिस पर लगातार एक के बाद एक नया रिकॉर्ड बना रही है। अब तक 2023 में रिलीज हुई दो बड़ी फिल्मों गदर 2 और शाह रुख खान की पठान का रिकॉर्ड दीपिका पादुकोण की फिल्म तोड़ चुकी है। अब इस फिल्म का अगला निशाना रणबीर कपूर की एनिमल है जिसका रिकॉर्ड टूटने ही वाला है। हप्रभास और अमिताभ बच्चन स्टारर ये फिल्म अब तक सनी देओल की गदर 2, बाहुबली 2 और शाह रुख खान की पठान जैसी फिल्मों को पीछे छोड़ चुकी है और कल्कि के निशाने पर आ चुकी है रणबीर कपूर की 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'एनिमल',जिसके रिकॉर्ड को तोड़ने की तैयारी हो चुकी है। गुरूवार को सभी भाषाओं में कल्कि का कैसा हाल रहा, चलिए देखते हैं आंकड़े- प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी का पहला हफ्ता तो बहुत ही बेहतरीन रहा था। ये फिल्म लगातार डबल डिजिट में बिजनेस कर रही थी, लेकिन दूसरा हफ्ता आते ही फिल्म को किसी की नजर लग गयी और मूवी का कलेक्शन सीधा सिंगल डिजिट में आ गिरा। हालांकि, इसके बावजूद भी कल्कि कई फिल्मों के बड़े-बड़े रिकॉर्ड तोड़ रही है। सैकनलिक.कॉम की रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुरूवार को फिल्म का बिजनेस ठीक-ठाक रहा। दीपिका पादुकोण स्टारर इस फिल्म ने हिंदी में जहां 15वें दिन 4 करोड़ का बिजनेस किया, तो वहीं तेलुगु में मूवी ने 1.65 करोड़ तक कमाई की। इसके अलावा तमिल में फिल्म ने 6 लाख, मलयालम में 35 लाख और कनन्ड़ में 1 लाख तक की सिंगल डे में कमाई की है। इस फिल्म ने इंडियन बॉक्स ऑफिस पर अब तक नेट कलेक्शन 543.45 करोड़ तक का किया है, जबकि एनिमल का इंडिया में लाइफटाइम कलेक्शन 556.36 करोड़ तक है। कल्कि 2898 एडी को एनिमल का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए महज 12 करोड़ रुपए की घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कमाई करनी है। वीकेंड तक एनिमल का रिकॉर्ड टूट सकता है।

'जिसको अपना लिविंग रूम सजाना है वो इमरान हाशमी ने कंगना रनौत पर क्यों कसा तंज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस और मंडी से सांसद कंगना रनौत कई मामलों पर खुलकर बोलना पसंद करती हैं। एक्ट्रेस कई बार इस बारे में बात कर चुकी हैं कि उन्हें अवॉर्ड फंक्शन में भाग लेना पसंद नहीं है क्योंकि ये सिर्फ टीआरपी के लिए होता है। कंगना ने कहा कि एक स्टार परफॉर्म करता है और फिर उसे अवॉर्ड मिलता है। वहीं आपने सीरियल किसर के नाम से जाने जाने वाले इमरान हाशमी को भी किसी अवॉर्ड फंक्शन में नहीं देखा होगा। बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत जितना दूसरे एक्टर्स को टारगेट करती हैं उतना ही वो खुद भी निशाने पर रहती हैं। कंगना ने 2014 में इमरान हाशमी के साथ फिल्म गैंगस्टर से डेब्यू किया था। इसके बाद दोनों एक्टर्स कई फिल्मों में साथ दिखे। अब हाल ही में एक्टर ने एक इंटरव्यू में कंगना पर तंज कसा है। अब इस मामले में एक्टर ने एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में बात की और अपनी राय दी है। शुभंकर मिश्रा को दिए इंटरव्यू में इमरान हाशमी एक्ट्रेस पर तंज कसते नजर आए। इस दौरान इमरान से अवॉर्ड फंक्शन को लेकर बात की गई। उनसे पूछा गया कि क्या कंगना की तरह उन्हें भी अवॉर्ड शो बेकार लगते हैं तो इस पर अपनी राय देते हुए एक्टर ने कहा,'क्योंकि अवॉर्ड मिलना बंद गया उसके बाद, शायद वह इसीलिए ऐसा कह रही हैं। मुझे याद है कि एक बार मैं अवॉर्ड जीता था लेकिन जल्द ही मुझे इसके पीछे का सारा खेल समझ आ गया था। ये एक तरह की डील जैसा है। अगर आप परफॉर्म कर रहे हैं तो ये एक अलग बात है।' इमरान ने आगे कहा,' अभी मैं ये नहीं कहूंगा कि ये अच्छा नहीं है। मैं अवॉर्ड से इनकार नहीं करूंगा जिन लोगों को अपना लिविंग रूम सजाना है वो करें, जाकर परफॉर्म करें। मैं अपनी पीठ नहीं थपथपा सकता कि मैंने ऐसी परफॉर्मेंस दी हैं क्योंकि ये झूठ है।

कन्नड़ में नजर आईं अभिनेत्रा अपर्णा वास्तारे का हुआ निधन, पिछले दो साल से लड़ रही थीं कैंसर से जंग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।कनन्ड इंडस्ट्री से एक बेहद ही दुखद खबर सामने आ रही है, जिसने फैंस की आंखें नम कर दी हैं। लोकप्रिय टेलीविजन प्रेजेंटर और अभिनेत्री अपर्णा वास्तारे का बीते दिन निधन हो गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले दो सालों से अपर्णा गंभीर बीमारी से जूझ रही थीं, जिससे वह जिंदगी की जंग हार गईं। कनन्ड़ की मशहूर अदाकारा और बेहतरीन टीवी प्रेजेंटर अपर्णा वास्तारे का 57 साल की उम्र में निधन हो गया। अभिनेत्री पिछले काफी समय से लंग कैंसर की समस्या से जूझ रही थीं। एक्ट्रेस के निधन की खबर ने उनके चाहने वालों का दिल तोड़ दिया है। कांतारा अभिनेता ऋषभ शेट्टी ने भी सोशल मीडिया पर अपर्णा वास्तारे को श्रद्धांजलि अर्पित की। एक्ट्रेस के निधन की जानकारी उनके पति नागराज वास्तारे ने सोशल मीडिया पर फैंस को दी और बताया कि वह कैंसर के चौथे स्टेज पर थीं। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, कनन्ड़ की मशहूर अभिनेत्री और रेडियो जॉकी अपर्णा वास्तारे पिछले दो साल से लंग कैंसर की समस्या से जूझ रही थीं। उन्होंने अपनी आखिरी सांस अपने बेंगलुरु में स्थित घर बनशंकरी में ली। उनके निधन की खबर से कनन्ड़ सिनेमा में शोक की लहर दौड़ गयी है। 57 साल की अपर्णा के निधन की खबर ने उनके फैंस के साथ-साथ सितारों की आंखें भी नम कर दी हैं। कांतारा फिल्म के एक्टर-डायरेक्टर ऋषभ शेट्टी ने अभिनेत्री को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लिखा, अपर्णा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि, भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। ओम शांतिठ। ऋषभ शेट्टी की पोस्ट के नीचे कमेंट करते हुए फैंस भी एक्ट्रेस के जाने पर अपना दुख व्यक्त कर रहे हैं। अक्टूबर 1966 में जन्मी अपर्णा एक अभिनेत्री होने के साथ-साथ टेलीविजन प्रेजेंटर, रेडियो जॉकी भी रह चुकी हैं। उन्होंने साल 1984 में फिल्म 'पुट्टनन कनागल' से कनन्ड़ सिनेमा में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने 1985 में फिल्म 'मसानंद हूवु', संग्राम, इन्स्पेक्टर विक्रम, डॉक्टर कृष्णा और ओंटी सलागा जैसी बेहतरीन फिल्मों में काम किया। फिल्मों में अपनी छाप छोड़ने वालीं अपर्णा ने साल 2003 में टेलीविजन की दुनिया में एंट्री मारी थी और 'मॉडल माने' में काम किया। वह कनन्ड़ के बिग बॉस सीजन 1 में नजर आई थीं। अपर्णा क बेहतरीन टीवी प्रेजेंटर भी थीं। डीडी चंदना प्रेजेंटर के रूप में उन्हें काफी पहचान मिली।

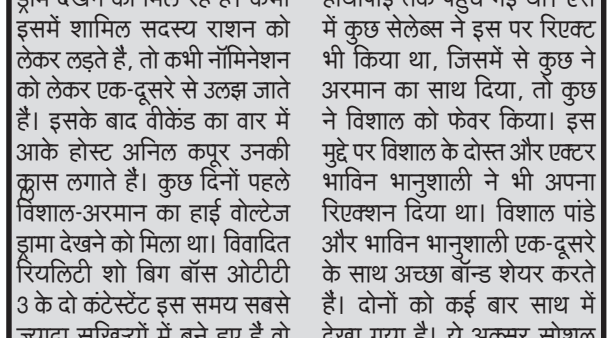

विशाल पांडे के करीबी की होगी बिग बॉस ओटीटी 3 में वाइल्ड कार्ड एंट्री अरमान को लेकर बोल चुके हैं ये बड़ी बात

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बिग बॉस ओटीटी 3 में हर दिन कंटेस्टेंट के नए-नए ड्रामे देखने को मिल रहे हैं। कभी इसमें शामिल सदस्य राशन को लेकर लड़ते है, तो कभी नॉमिनेशन को लेकर एक-दूसरे से उलझ जाते हैं। इसके बाद वीकेंड का वार में आके होस्ट अनिल कपूर उनकी क्लास लगाते हैं। कुछ दिनों पहले विशाल-अरमान का हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला था। विवादित रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी 3 के दो कंटेस्टेंट इस समय सबसे ज्यादा सुर्खियों में बने हुए हैं वो हैं विशाल पांडे और अरमान मलिक। दोनों का झगड़ा दर्शकों के साथ-साथ सेलेब्स ने भी देखा और उस पर अपना-अपना रिएक्शन भी दिया। कुछ सेलेब्स और लोगों ने विशाल का साथ दिया था तो कुछ ने अरमान को सही कहा था। दोनों कंटेस्टेंट की लड़ाई इतनी बढ़ गई कि बात हाथापाई तक पहुंच गई थी। ऐसे में कुछ सेलेब्स ने इस पर रिएक्ट भी किया था, जिसमें से कुछ ने अरमान का साथ दिया, तो कुछ ने विशाल को फेवर किया। इस मुद्दे पर विशाल के दोस्त और एक्टर भाविन भानुशाली ने भी अपना रिएक्शन दिया था। विशाल पांडे और भाविन भानुशाली एक-दूसरे के साथ अच्छा बॉन्ड शेयर करते हैं। दोनों को कई बार साथ में देखा गया है। ये अक्सर सोशल मीडिया पर भी साथ में रील बनाकर अपने वीडियो शेयर करते हैं। अब बिग बॉस के फैन पेज बिग बॉस तक की खबर के मुताबिक, भाविन की इस रियलिटी शो में वाइल्ड कार्ड एंट्री हो सकती है।

हॉरर फिल्मों की जानी मानी एक्ट्रेस शेली डुवैल का निधन, पार्टनर डैन ने दी जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। हॉरर फिल्म ठद शाइनिंगठ की जानी मानी एक्ट्रेस शेली डुवैल अब हमारे बीच नहीं है। उनका 75 साल की उम्र में निधन हो गया। डुवैल ने टेक्सास के ब्लैंको स्थित अपने घर पर अंतिम सांस ली। उनके पार्टनर डैन गिलरॉय ने इस खबर की पुष्टि की है। द शाइनिंग' और 'फ्रैंकेनविनी' जैसी फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए पॉपुलर एक्ट्रेस शेली डुवैल का 75 साल की उम्र में निधन हो गया। एक्ट्रेस को डायबिटीज था जिसकी वजह से उन्हें धीरे-धीरे और भी कई सारी दिक्कतें होने लगी थीं। शेली डुवैल के साथी डैन गिलरॉय ने इस दुखद खबर की पुष्टि की। 'ब्रूस्टर मैकक्लाउड' शेली की पहली फिल्म थी। डैन गिलरॉय ने बताया कि उन्हें भयंकर डायबिटीज था और इस बीच उनको कुछ ज्यादा ही कॉम्पलीकेशन्स हो गए थे जिसकी वजह से उनका निधन हो गया। गिलरॉय ने एक मीडिया हाउस से बातचीत में कहा,' मेरी प्यारी, अद्भुत जीवन साथी और दोस्त ने हमें छोड़ दिया। हाल ही में उसे बहुत अधिक कष्ट सहना पड़ा लेकिन अब वह स्वतंत्र हैं। उड़ जाओ, खूबसूरत शेली।' गिलरॉय ने ये भी बताया कि शेली अंतिम दिनों में चीजों से डरने लगी थीं। वहीं डैन ने भी खुलासा किया कि शेली को लगने लगा था कि उन पर हमला हो रहा है। शेली का जन्म 7 जुलाई, 1949 को फोर्ट वर्थ, टेक्सास में हुआ था। शेली को सबसे पहले जाने माने फिल्म निर्माता रॉबर्ट ऑल्टमैन ने खोजा था । रॉबर्ट एक ऐसे निर्देशक हैं जो अपने रिच कैरेक्टर्स, सामाजिक आलोचना और तीखे व्यंग्य के लिए जाने जाते हैं। ऑल्टमैन ने उन्हें 1970 की डार्क कॉमेडी ठब्रूस्टर मैकक्लाउडठ में कास्ट किया था। ऑल्टमैन की वजह से ही शेली का करियर काफी अच्छा रहा क्योंकि वो उन्हें काफी अच्छे रोल्स ऑफर करते थे। साल 1977 में न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में शेली ने कहा था कि ऑल्टमैन ने मुझे हर तरह के रोल ऑफर किए और उन सभी पर मैं खरी उतरी। उनको मेरे ऊपर कॉन्फिडेंस था और वो मुझ पर बहुत विश्वास करते थे और मुझे सम्मान देते थे। शेली को आखिरी बार फिल्म ठद फॉरेस्ट हिल्सठ में देखा गया था। ये फिल्म साल 2023 में आई थी। ये एक हॉरर-थ्रिलर फिल्म थी जिसमें उन्होंने दो दशक के लंबे अंतराल के बाद काम किया था।

DURGAWATI INTERNATIONAL
School & College Meja, Prayagraj
(AFFILIATED TO NEW DELHI I.C.S.E. (AFFILIATION No. UP 481)
Good News Good News

THE STUDENTS SCORING ABOVE 95% IN THE ENTRANCE EXAM ARE AWARDED WITH THE CONCESSION IN THE ENTIRE TUITION FEES OF THE WHOLE YEAR 2024-25 HURRY UP!!

HOSTEL FACILITY
* AC hostel facilities are available for. the boys from class 3rd onwards.
* Quality food
* Personal care
* 24/7 power backup
* Special tuition classes for hostelers
* Free health checkup per month.
* Infirmary faciliti is also available
* Well equipped laboratories and digital Library

पहले 50 छात्रों के प्रवेश शुल्क पर 100% की छूट

Admissions OPEN

PG to IX, XI
(AFFILIATED TO NEW DELHI ICSE (AFFILIATION No. UP 481)

SCHOOL FACILITIES
* Affordable fee & High-tech infrastructure.
* Spacious and colorful classrooms.
* Trained teachers from Kerala & Prayagraj.
* Free personality development.
* English spoken classes for each student.
* RO water and CCTV facilities.
* Pick and drop facilities with full safety.
* Trained PE Teacher along with
* Spacious playground

Manager
Dr. (Smt.) Swatantra Mishra
(Psychologist)

Email : www.disaldd@gmail.com Durgawati International School
Call For Any Enquiry 7505561664
Contact No.: 7081152877, 7652002511, 9415017879

अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन, सोनभद्र की अध्यक्षता में पुलिस लाइन चुर्क सोनभद्र में आयोजित की गयी नक्सल समन्वय गोष्ठी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । पुलिस लाइन सभागार कक्ष में अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन सोनभद्र श्री त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी की अध्यक्षता में नक्सल समन्वय गोष्ठी का आयोजन किया गया । गोष्ठी में जनपद के पुलिस/ पीएसी/अन्य विभागो व सीमावर्ती जनपदों से आये अधिकारीगण के साथ नक्सली संचरण के दृष्टिगत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अधिक सतर्कता बरतने व आपस में लगातार समन्वय स्थापित कर नियमित काम्बिंग/ एरिया डामिनेशन करने तथा इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों को समस्याओं को सुनने व उनका हर सम्भव निराकरण कराये जाने व स्थानीय लोगों के साथ वार्ता कर उन्हे किसी के बहकावे मे न आने व संदिग्ध गतिविधि होने पर उसकी जानकारी स्थानीय पुलिस व प्रशासन को देने के बारे में जागरुक किया गया एवं अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की गयी। इस दौरान राजकुमार उप सेनानायक नक्सल कन्टीजेन्ट चुर्क, डा0 चारू द्विवेदी क्षेत्राधिकारी नगर, हर्ष पाण्डेय क्षेत्राधिकारी ओबरा, डिप्टी सीएमओ, डा0 सुमन कुमार, जोनल नक्सल राणा प्रताप सिंहं, प्रभारी नक्सल सेल श्री विष्णुदत्त राय एवं जनपद के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के थाना प्रभारी/ चौकी प्रभारी/ पीएसी पोस्ट प्रभारी सहित अन्य अधिकारी/ कर्मचारीगण मौजूद रहें।

भारतीय जहाज के कप्तान और चालक दल ने बहादुरी के लिए जीता पुरस्कार, लाल सागर बचाव अभियान में दिखाया था कौशल

लंदन। अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) ने समुद्र क्षेत्र में बहादुरी के लिए अपने 2024 पुरस्कारों में भारतीय नाविकों की असाधारण बहादुरी और साहस को पुरस्कृत किया है। आईएमओ परिषद ने 10 जुलाई, 2024 को अपनी कार्यवाही में कैप्टन अविनाश रावत और ऑयल टैंकर मार्लिन लुआंडा के चालक दल की उनकी असाधारण बहादुरी, नेतृत्व और दृढ़ संकल्प के लिए सराहना की है। अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) ने समुद्र क्षेत्र में बहादुरी के लिए अपने 2024 पुरस्कारों में भारतीय नाविकों की असाधारण बहादुरी और साहस को पुरस्कृत किया है। आईएमओ परिषद ने 10 जुलाई 2024 को अपनी कार्यवाही में कैप्टन अविनाश रावत और ऑयल टैंकर मार्लिन लुआंडा के चालक दल की उनकी असाधारण बहादुरी नेतृत्व और दृढ़ संकल्प के लिए सराहना की है। चालक दल के प्रयास, नौसेना बलों की सहायता से महत्वपूर्ण समर्थन के साथ, चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने, जहाज को बचाने और संभावित पर्यावरणीय आपदा को रोकने में महत्वपूर्ण थे।

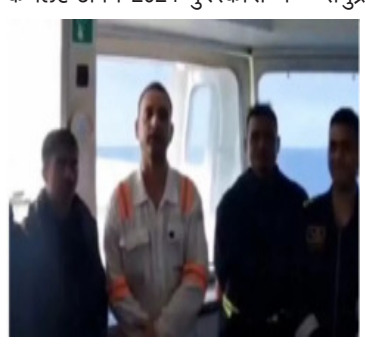

नेपाली संसद में विश्वास मत सीपीएन-यूएमएल ने भारत से मैत्रीपूर्ण संबंध को लेकर कही बड़ी बात

काठमांडु। नेपाल में प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड के शुक्रवार को सदन में विश्वास मत का सामना करने से पहले नेपाली कांग्रेस और सीपीएन-यूएमएल ने व्हिप जारी कर दिया है। दोनों पाटिर्यों ने अपने सांसदों से सदन में उपस्थित रहने और विश्वास मत प्रस्ताव में प्रचंड के विरुद्ध मतदान करने को कहा है। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल प्रचंड को अपनी सरकार बचानी है तो उनको आज नेपाली संसद में विश्वास मत हासिल करना होगा। नेपाली कांग्रेस और सीपीएन-यूएमएल ने व्हिप जारी कर दिया है। दोनों पाटिर्यों ने अपने सांसदों से सदन में उपस्थित रहने और विश्वास मत प्रस्ताव में प्रचंड के विरुद्ध मतदान करने को कहा है। सीपीएन-यूएमएल ने कहा कि भारत से मैत्रीपूर्ण संबंध के बिना नेपाल की प्रगति संभव नहीं। केपी शर्मा ओली की अगुआई वाली सीपीएन-यूएमएल ने पिछले सप्ताह प्रचंड सरकार से समर्थन वापस ले लिया और गठबंधन सरकार बनाने के लिए नेपाली कांग्रेस के साथ समझौता किया है। केपी शर्मा ओली की अगुआई वाली नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी -एकीकृत मा?र्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) ने गुरुवार को कहा कि चौतरफा भूमि से घिरा हमारा देश केवल भारत से घनिष्ठ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखकर ही आर्थिक समृद्धि प्राप्त कर सकता है। पार्टी ने जोर देकर कहा कि वह नेपाल की भूमि से पड़ोसी देश के विरुद्ध किसी गतिविधि की अनुमति नहीं देगा। पार्टी के विदेश मामलों के विभाग प्रमुख एवं स्थायी समिति के सदस्य डा. राजन भट्टराई ने शुक्रवार को संसद में होने जा रहे विश्वास मत से पहले कहा कि सीपीएन-यूएमएल का मानना है ।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं
आधुनिक समाचार पब्लिसिंग हाउस सी 41 यूपीएसआईडीसी नैनी प्रयागराज 211010 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक/प्रकाशक
डा. पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।